धनबाद
गुरूवार 02.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-130 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-3
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

राष्ट्र की प्रगति में डाक कर्मियों का अतुलनीय योगदान : गडकरी

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्र की प्रगति में अपने अथक समर्पण और निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डाक कर्मियों को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस के अवसर पर पूरे देश ने सलाम किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन कर्मठ सेवकों को बधाई दी, उनके बलिदान और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह दिवस उन लाखों डाक कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जो न केवल संदेशों और पार्सलों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों को भी संचार और विश्वास की डोर से बांधे रखते हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर हम अपने डाक कर्मचारियों के अटूट समर्पण, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं, जो देश भर में दूरियों को मिटाते हुए लाखों लोगों को आपस में जोड़ते हैं। उनकी अथक कोशिशों से यह सुनिश्चित होता है कि हर चिट्ठी, पार्सल और संदेश भरोसे, देखभाल और विश्वसनीयता के साथ अपनी मंजिल तक पहुंचे। आपकी अमूल्य सेवा के लिए दिल से आभार। गडकरी के ये शब्द भारतीय डाक सेवा के विशाल नेटवर्क और उसके पीछे की मानवीय शक्ति का सटीक चित्रण करते हैं। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी डाक कर्मियों की भूमिका को सराहा।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डाक कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को राष्ट्र की प्रगति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास देश के विकास में अहम है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के कोने-कोने तक विश्वास, संवाद और सेवा का संदेश पहुंचाने में डाक कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संचार, सेवा और विश्वास की डोर को सशक्त बनाने में डाक कर्मियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ ये कर्मी प्रत्येक नागरिक तक डाक, वित्तीय सेवाएं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी डाक कर्मियों की कर्मनिष्ठा, समयबद्ध सेवा और जनसमर्पण को देशवासियों के विश्वास का सशक्त माध्यम बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी डाक कर्मियों के अथक परिश्रम, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसने देश के कोने-कोने तक संवाद और विश्वास के सेतु को मजबूत किया है।

भारतीय डाक सेवा, जो अपनी स्थापना के बाद से लगातार विकसित हो रही है, आज केवल चिट्ठियां पहुंचाने तक सीमित नहीं है। यह वित्तीय सेवाओं, बीमा योजनाओं, पासपोर्ट सेवाओं और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है।

लंबे इंतजार के बाद 4 नए सूचना आयुक्तों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ली शपथ

रांची (एजेंसी): झारखंड में लंबे समय के इंतजार के बाद चार नए सूचना आयुक्त मिल गए। बुधवार को लोकभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, शिवपूजन पाठक और अमूल नीरज खलखो को सूचना आयुक्त पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे। समारोह में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम, महुआ माजी, सांसद संजय सेठ तथा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश समेत कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबे समय बाद हुई नियुक्ति

झारखंड राज्य सूचना आयोग में लंबे समय से सूचना आयुक्तों के पद रिक्त थे, जिसके कारण आयोग के कामकाज पर भी असर पड़ रहा था। अब चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति और शपथ ग्रहण के साथ आयोग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

महुआ मोइत्रा पर फेंके गए अंडे और बैंगन!

टीएमसी सांसद का भाजपा समर्थकों पर आरोप

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजेपी समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महुआ मोइत्रा का दावा है कि नादिया के कालीगंज स्थित अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय में उनके ऊपर अंडे और बैंगन फेंके गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी समर्थक लगातार पार्टी कार्यालय की तीसरी मंजिल को निशाना बनाकर अंडे और बैंगन फेंक रहे थे।

महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस काफी देर से मौके पर पहुंची, लेकिन वहां मौजूद रहने के बावजूद उसने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की और मूकदर्शक बनी रही।

फेसबुक लाइव में उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाने के बजाय पुलिस केवल तमाशा देखती रही। हालांकि, इस घटना पर अभी तक बीजेपी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, पुलिस ने भी सार्वजनिक रूप से इस मामले में कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया है।

9.5 करोड़ की ड्रग्स जब्त 2 महिलाएं गिरफ्तार

गुवाहाटी (ईएमएस): असम राइफल्स ने पूर्वोत्तर में सक्रिय ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ९.५ करोड़ की ड्रग्स जब्त की है। यह कार्रवाई असम राइफल्स की श्रीकोना बटालियन ने ३० जून को कछार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में असम के कछार जिले के टोलेंग्राम के पास की। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने ३० हजार याबा टैबलेट और ५३५ ग्राम हेरोइन बरामद की। तस्करों ने ड्रग्स को लाल मिर्च से भरे डिब्बों में छिपाया था, ताकि जांच एजेंसियों की नजर से बचा जा सके।

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बात, होर्मुज में निर्बाध आवाजाही पर दिया जोर

पश्चिम एशिया की स्थिति, क्षेत्रीय शांति और भारत-ईरान सहयोग पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान से टेलीफोन पर बातचीत कर पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति, क्षेत्रीय शांति और भारत-ईरान संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने भारत और वैश्विक व्यापार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य में निर्बाध समुद्री आवाजाही के महत्व को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बातचीत की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं पर राष्ट्रपति पेज़ेश्कियान से चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र में हाल के सकारात्मक घटनाक्रमों का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि निरंतर कूटनीतिक प्रयासों से स्थायी शांति और स्थिरता स्थापित होगी। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्वतंत्र आवाजाही भारत सहित पूरी दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वहीं, भारत स्थित ईरानी दूतावास के अनुसार राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने भारत में आयोजित ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक की सफलता की सराहना की और कहा कि ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंच दोनों देशों के बीच सहयोग को नई गति प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और ईरान राजनीतिक, आर्थिक, व्यापार, परिवहन (ट्रांजिट) तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी साझेदारी को और मजबूत कर सकते हैं।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार, पिता को किया सैल्यूट

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय सेना के नए थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में आयोजित गार्ड ऑफ ऑनर समारोह में एक अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण दिखाई दिया। गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद, जनरल सेठ ने अपने पिता, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ, को सैन्य सैल्यूट किया। पिता ने भी पलटकर सैल्यूट किया, जिसके बाद नए सेना प्रमुख ने अपने पिता सहित वहां मौजूद परिजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य उपस्थित सैन्य अधिकारियों, जवानों और अतिथियों के लिए विशेष प्रेरणा का केंद्र रहा।

इस समारोह में जनरल सेठ के छोटे भाई, रियर एडमिरल रवनीश सेठ भी मौजूद थे, जिन्होंने बड़े भाई को सैल्यूट कर अपनी खुशी व्यक्त की। भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे रहे इस परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। यह सैन्य परंपरा, पारिवारिक संस्कारों और राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट समर्पण का एक अनूठा संगम था।

वेनेजुएला में मृत भारतीय नाविक के शरीर से ब्रेन, दिल, फेफड़े गायब, मचा हड़कंप

नई दिल्ली (ईएमएस): वेनेजुएला में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले भारतीय नाविक राकेश चौहान (३३) के भारत पहुंचे शव का फिर से पोस्टमार्टम किया गया, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। परिवार के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के देवरिया में हुए दूसरे पोस्टमार्टम में राकेश के शरीर से दिमाग, फेफड़े, दिल और अन्य सभी प्रमुख अंदरूनी अंग गायब मिले। इस घटना ने उनकी मौत के कारणों और कंपनी की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

बात दें कि राकेश चौहान मर्चेंट नेवी में मरीन फिटर के तौर पर वेनेजुएला में कार्यरत थे। उनकी कंपनी ने ७ मई को परिवार को बताया कि राकेश जहाज पर गिर गए हैं और गंभीर रूप से घायल हैं, जिसके अगले दिन उनकी मौत की खबर आई। कंपनी ने उनकी मौत का कारण चक्कर आने के बाद गिरने से हुई हार्ट अटैक को बताया। हालांकि, जब शव भारत पहुंचा, तब परिवार ने देखा कि शरीर पर गर्दन से नीचे तक और एक कान से दूसरे कान तक कुल २२ टांके लगे थे, लेकिन कंपनी ने नहीं बताया कि वेनेजुएला में पहले ही पोस्टमार्टम हो चुका था।

देवरिया के जिलाधिकारी के निर्देश पर जब दूसरा पोस्टमार्टम हुआ, तब सामने आया कि राकेश के शरीर से दिमाग, हृदय, लीवर, फेफड़े, दोनों किडनी, प्लीहा, पेनिक्रियाज, पित्ताशय, आंतें, मूत्राशय और कई अन्य आंतरिक अंग पूरी तरह से गायब थे। विसरा भी नहीं मिला, जिससे उनकी मौत की सही वजह पता लग सके। परिवार ने आरोप लगाया है कि यह जानकारी उनसे जानबूझकर छिपाई गई।

परिवार ने सरकार से की जांच की मांग

फेडरेशन ऑफ सीफेयरर्स यूनियंस ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने भी मामले में अपनी चिंता जाहिर की है। यूनियन ने सवाल उठाया है कि परिवार की सहमति के बिना राकेश के शरीर से इतने महत्वपूर्ण अंग क्यों निकाले गए और उन्हें इस बारे में अंधेरे में क्यों रखा गया। एफएसयूआई ने बताया कि शव प्राप्ति की रसीद पर राकेश की पत्नी रंजना चौरसिया की जगह गलत नाम दर्ज था, और राकेश को रोजगार समझौते में उल्लिखित जहाज के बजाय किसी और जहाज पर तैनात किया था। ये सभी अनियमितताएं एक संभावित साजिश की ओर इशारा करती हैं।

राकेश की मां की कोविड के दौरान मृत्यु हो गई थी और उनकी पत्नी रंजना अपने ६ महीने के बेटे के साथ मायके में रह रही हैं। परिवार ने राकेश को वेनेजुएला भेजने में लाखों रुपये खर्च किए थे। पीड़ित परिवार ने अब सरकार से इस पूरे मामले की गहन जांच, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उचित आर्थिक मुआवजे की मांग की है।

कोलकाता पुलिस ने 21 को शहीद दिवस मनाने पर लगाई पाबंदी

निषेधाज्ञा लागू करने के खिलाफ टीएमसी जाएगी कोलकाता हाईकोर्ट

कोलकाता (ईएमएस): टीएमसी ने बुधवार को कोलकाता पुलिस की ओर से २१ जुलाई को मध्य कोलकाता में निषेधाज्ञा लागू करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। टीएमसी का कहना है कि इस इलाके में पार्टी हर साल २१ जुलाई को शहीद दिवस मनाती है। कोलकाता पुलिस ने जानकारी दी गई कि इस साल सीईएससी हाउस के सामने शहीद दिवस मनाने की इजाजात नहीं दी जाएगी। कोलकाता पुलिस की ओर से उस इलाके में धारा १६३ लागू कर दी है। इसके तहत एक ही समय और जगह पर तय संख्या से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। टीएमसी के बागी नेताओं की ओर से कोलकाता पुलिस के इस फैसले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन टीएमसी नेताओं ने कहा है कि वे इस मामले को कानूनी और राजनीतिक स्तर पर उठाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के चार बार लोकसभा सांसद रहे कल्याण बनर्जी का कहना है कि पूरे इलाके में धारा १६३ लागू करना और वह भी दो महीने के लिए गैर-कानूनी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएम सुवेंदु अधिकारी लोगों के लोकतांत्रिक रूप से इकट्ठा होने और संगठित विरोध प्रदर्शनों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि हम इस आदेश के खिलाफ निश्चित रूप से कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हम केस दायर करेंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से अग्निवीर उम्मीदवार को मिली राहत

मतदाता सूची से नाम हटने के कारण अटका था पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के कूचबिहार निवासी आकाश सरकार को भारतीय सेना में अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) के रूप में भर्ती होने का रास्ता कलकत्ता हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद साफ हो गया। मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के कारण उन्हें नया पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) नहीं मिल पा रहा था, जिससे उनकी नियुक्ति प्रक्रिया अधर में लटक गई थी। अदालत के निर्देश के बाद उनका नाम मतदाता सूची में बहाल हुआ और अंततः उन्हें पीसीसी जारी कर दिया गया।

आकाश सरकार ने वर्ष २०२५ में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के सभी चरण-लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षण और मेडिकल जांच-सफलतापूर्वक पास कर लिए थे। सेना में शामिल होने के लिए उन्हें पिछले छह महीनों के भीतर जारी पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट की आवश्यकता थी। उनके पास नवंबर २०२५ में जारी पीसीसी था, लेकिन जॉइनिंग से पहले उसकी वैधता समाप्त हो गई।

जून २०२६ में नया पीसीसी बनवाने के लिए आवेदन करने पर पुलिस ने इसे जारी करने से इनकार कर दिया। कारण यह था कि पश्चिम बंगाल में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान आकाश सरकार और उनके पिता का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया था। इसके बाद आकाश सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने अदालत को बताया कि उन्होंने और उनके पिता ने एसआईआर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपने नाम हटाए जाने को चुनौती दी है और मामला अभी लंबित है। उनका तर्क था कि केवल मतदाता सूची से नाम हटने के आधार पर, जबकि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है, पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट देने से इनकार करना उचित नहीं है। याचिका में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व के फैसलों का हवाला देते हुए कहा गया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से नाम हटाना किसी व्यक्ति की नागरिकता का अंतिम निर्धारण नहीं माना जा सकता।

तमिलनाडु में सत्ताधारी दल के 15 विधायकों को एक साथ इस्तीफा दिलवाने की साजिश

डीएमके के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी.अशोक कुमार का नाम आया सामने

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु पुलिस ने तीन लोगों को सत्ताधारी दल टीवीके के विधायकों को तोड़कर सरकार गिराने के आरोप में गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के खुफिया विभाग के अनुसार ये लोग सत्ताधारी दल टीवीके के १५ विधायकों को एक साथ इस्तीफा दिलवानी की साजिश रच रहे थे। तमिलनाडु पुलिस द्वारा बुधवार को दी गयी जानकारी के अनुसार जांच में डीएमके के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी. अशोक कुमार का नाम सामने आया है। दोनों पर ही सरकार गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप है।

टीवीके के एक विधायक की शिकायत पर खुफिया विभाग के अफसर ने जांच की और एक कंसल्टेंसी फर्म के कर्मचारी को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान अफसरों को पता चला कि इसके तार डीएमके के विधायक और पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े हुए हैं। इसके बाद दो और लोगों की गिरफ्तारी हुई और उनसे पूछताछ की गई। पहले शख्स को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया जबकि बाकी दो लोगों की गिरफ्तारी करूर से हुई। खुफिया विभाग के अफसर इस मामले की जांच में जुटे हुए हैं। तमिलनाडु में इस साल मई में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों में अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिल वेत्री कडग़म (टीवीके) को १०८ सीटों पर जीत मिली थी। विजय ने दो सीटों पर जीत हासिल की थी। तमिलनाडु में कुल २३४ विधान सभा सीटें हैं। बहुमत के लिए ११८ विधायकों का समर्थन चाहिए होता है। विजय द्वारा एक सीट छोड़ने के बाद उन्हें बहुमत के लिए ११ अन्य विधायकों के समर्थन की जरूरत थी। कांग्रेस, कम्युनिस्ट दलों और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के समर्थन से उन्होंने सदन में बहुमत साबित किया था। बहुमत परीक्षण में कई एआईएडीएमके विधायकों ने उनके पक्ष में क्रास-वोटिंग की थी।

इस मामले में उथंगराई से टीवीके विधायक एन. इलायाराजा ने चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इलायाराजा ने आरोप लगाया कि आईपीडीएस नाम की कंसल्टेसी फर्म के एक व्यक्ति ने उन्हें तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर जेसीडी प्रभाकर (टीवीके नेता) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए ३५ करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी। विधायक ने आरोप लगाया था कि उन्हें धमकाया गया और कहा गया कि वे इस प्रस्ताव के बारे में किसी को न बताएं।

50 करोड़ तक की पेशकश

टीवीके सरकार में मंत्री निर्मल कुमार ने दावा किया कि पलानीस्वामी और अन्य लोग गुपचुप तरीके से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे थे। आज हम उसका नतीजा देख रहे हैं। एमके स्टालिन और उदयनिधि के इशारे पर काम करते हुए सेंथिल बालाजी जैसे डीएमके के प्रमुख नेता हमारे कई विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। वे उन्हें १० करोड़, २० करोड़ या यहां तक कि ५० करोड़ रुपये की रकम की पेशकश कर रहे हैं। ऐसा कोई विधायक नहीं है जिससे उन्होंने संपर्क न किया हो।

डीएमके ने टीवीके सरकार पर जांच से जुड़ी जानकारी लीक करने का आरोप लगाया। डीएमके के प्रवक्ता ए. सरवनन ने एनडीटीवी को बताया कि टीवीके जांच से जुड़ी जानकारी लीक करके सिर्फ जनता के बीच सनसनी फैलाना चाहती है। इससे पता चलता है कि उन्हें तथ्यों की जानकारी नहीं है और वे सिर्फ एक मनगढ़ंत कहानी बनाना चाहते हैं। सरवनन ने टीवीके सरकार को चुनौती दी कि अगर उसके पास पुख्ता सबूत हैं तो वह सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार करके दिखाए।

टीव
साजिश

संपादकीय | दस्तावेजों की कमी से क्या छिन गया मताधिकार?

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की कवायद को शुरू हुए एक साल पूरा हो गया है। वर्तमान में उन्नीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया जारी है। खबरों के मुताबिक, इसके जरिए अब तक करीब छह करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के पात्र नहीं है? या फिर बहुत से लोग आधिकारिक दस्तावेज नहीं जुटा पाने की वजह से अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए? सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन लोगों के नाम सूची से बाहर किए गए हैं, उनका भविष्य क्या होगा।

अगर वे मतदान के हकदार नहीं है, तो उनके दूसरे अधिकारों पर इसका क्या असर पड़ेगा? यह सवाल इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल और बिहार में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों राज्यों में संशोधित मतदाता सूची के आंकड़ों को अब सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इससे यह आशंका भी गहरा रही है कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अब सरकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर किया जा सकता है।

सबसे पहले बिहार में पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों से पूर्व एसआइआर की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विपक्षी दलों ने इसके समय को लेकर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए निर्वाचन आयोग के पास पहले पर्याप्त समय था, इसके बावजूद चुनावों से ठीक पहले इस प्रक्रिया को शुरू करना उचित नहीं है। इसके बाद नागरिकता के प्रमाण को लेकर भी यह प्रक्रिया विवादों में रही।

विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में करीब 10.2 फीसद मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया। सवाल यह भी है कि क्या इन लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए आगे कोई मौका दिया जाएगा, या फिर वे हमेशा के लिए मताधिकार से वंचित हो गए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची का समय-समय पर संशोधन जरूरी है, ताकि जिनकी मृत्यु हो गई है या जिन्होंने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपना पंजीकरण कराया है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। मगर यह चिंताजनक है कि अभी कुछ राज्यों में ही एसआइआर की प्रक्रिया पूरी हुई है और करीब छह करोड़ लोग मताधिकार से वंचित हो गए हैं, तो देश भर में ऐसे लोगों की संख्या कितनी हो जाएगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। सूची से बाहर किए गए लोगों को अब अपनी नागरिकता की चिंता भी सताने लगी है, क्योंकि उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर होने का खतरा है। ऐसे में उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र व्यक्ति किसी तकनीकी कारण या समय पर दस्तावेज न जुटा पाने की वजह से मताधिकार से वंचित न रह जाए। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र सही मायने में तभी जिंदा रहता है, जब पात्र नागरिकों के मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे और चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हों।

सीवर टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी से हो रही मौतें

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि वर्तमान समय में जहां छोटे-छोटे कार्य आधुनिक उपकरणों की मदद से किए जा रहे हैं, वहीं जोखिम भरे साफ-सफाई के काम आज भी परंपरागत तरीके से ही हो रहे हैं। नतीजा यह कि सेप्टिक टैंक और सीवर की सफाई के दौरान जान जाने की घटनाएं आम हो गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके में बीते शुक्रवार को एक ऐसी ही घटना सामने आई, जहां एक कारखाने के सेप्टिक टैंक की सफाई करते वक्त जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई है। इस घटना ने सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी को एक बार फिर उजागर कर दिया है। खबरों के मुताबिक इन श्रमिकों को बिना सुरक्षा उपायों

के ही सेप्टिक टैंक में उतार दिया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। इससे साफ है कि दिल्ली सहित देश भर में न्यायालय के निर्देशों का गंभीरता से पालन नहीं हो रहा है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट कहा था कि सेप्टिक टैंक और सीवर की हाथ से सफाई पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जानी चाहिए। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सुरक्षा मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत के बावजूद एहतियाती उपायों के बिना ही श्रमिकों को सीवर और सेप्टिक टैंक में उतार दिया जाता है। उस समय यह जांच करने की भी जरूरत महसूस नहीं की जाती कि वहां आक्सीजन का स्तर क्या है और कहीं जहरीली गैस का प्रभाव ज्यादा तो नहीं है? ज्यादातर मामलों में श्रमिकों को बचाव के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जाते। यही वजह है कि बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आने पर वर्ष 2023 में शीर्ष अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों से पूछा था कि उसके आदेश का पालन क्यों नहीं हो रहा है। ऐसे हादसों में जान गंवाने वाले सफाई कर्मियों के परिवारों के लिए मुआवजा राशि को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति मौजूद नही है। जाहिर है कि कागजों में कोई नियम-कानून बना देने भर से व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाता है, इसके लिए उन्हें धरातल पर कड़ाई से लागू करने की जरूरत होती है।

आज का कार्टून

तमिलनाडुः यूट्यूब देखकर डॉ. बना पति, पत्नी की घर पर डिलीवरी कराने के प्रयास में मौत

सीमाओं की सुरक्षा से विकसित भारत तक
रक्षा और अर्थव्यवस्था का नया समीकरण

भारत को हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ एआइ की नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की हाल की उपलब्धियां दुनिया भर में रेखांकित की जा रही हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत रूस के बाद व्यावसायिक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' संचालित करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। इससे देश दुनिया की परमाणु महाशक्ति के रूप में उभरेगा। भारत ने पिछले एक दशक में रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक के रूप में खुद को बदला है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 38424 करोड़ रुपए का रेकार्ड रक्षा निर्यात किया है। मगर अभी भी रक्षा मजबूती के लिए मीलों चलना बाकी है। 'मेक-इन-इंडिया' के तहत आधुनिक हथियारों का मजबूती से स्वदेशीकरण होगा। भारत को सैन्य साजो-सामान के आधुनिकीकरण के साथ साइबर तकनीक और आधुनिक मिसाइलों से सुसज्जित होना होगा। उम्मीद है देश आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

जयंती लाल भंडारी

दुनिया में अस्थिरता के साथ रक्षा संबंधी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इसके मद्देनजर भारत को भी तेज विकास के साथ बहुआयामी स्तर पर रक्षा के मोर्चे मजबूत करने होंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री ने देश में निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि देश में शांति और विकास के लिए सुरक्षा मजबूत करना आवश्यक है। हालांकि, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कुछ पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों के बीच दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक भरोसा बढ़ रहा है। यहां विदेशी निवेश बढ़ रहा है और नए व्यापार समझौते आकार ले रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में अब भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ आधुनिक रक्षा प्रणाली के मामलेमें भी खुद को सुदृढ़ करना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में हाल में जारी दो रिपोर्ट उल्लेखनीय हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.6 फीसद होगी और उभरते हुए देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली ग्लोबल संस्था 'स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सिपरी) की परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत परमाणु हथियार के मोर्चे पर बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा बजट के मामले में भारत दुनिया में पांचवें क्रम पर है। जनवरी 2026 तक भारत के पास कुल 190 परमाणु हथियार थे। इनमें से बारह परमाणु बमों को मिसाइल, पनडुब्बी और लड़ाकू विमानों के साथ जोड़ दिया गया है। साथ ही उन्हें संचालन अड्डे पर तैनात किया गया है। स्पष्ट है कि परमाणु हथियारों को अलग रखने की भारत की दशकों पुरानी नीति अब बदल गई है।

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है। निश्चित रूप से ऐसे समय में जब देश की सीमाएं भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, बल्कि उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की जरूरत दिखाई दे रही है। स्पष्ट है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान आधुनिक चीनी हथियारों से भारत में घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है। इन दिनों ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों से उसकी निकटता बढ़ी है। चीन की ओर से भी सीमा पर भारत के संप्रभु इलाकों में चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं। यह चिंता की बात है कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी और विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास भी चुनौतियां पैदा कर रहा है। पिछले दिनों उसने शरारत पूर्ण तरीके से अक्साई चीन में नया 'प्रशासनिक क्षेत्र' बनाया है। चीन हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग आफ पर्ल्स' नीति के जरिए भी भारत को चुनौती दे रहा है। पिछले वर्ष पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 'आपरेशन सिंदूर' चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। चीन ने पाकिस्तान को उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं उसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है।

पिछले दिनों अमेरिकी खुफिया संस्थान की 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया के लिए बड़ा खतरा बन गया है। मगर आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत भारत आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूती आगे बढ़ रहा है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। पूरी दुनिया ने देखा है कि पिछले वर्ष आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वस्तुतः सैन्य अभियान के तहत भारत ने एआइ के उपयोग से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर मिसाल पेश की है। तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने और मजबूत सैन्य शक्ति बनने के लिए भारत को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना होगा।

इस समय मजबूत घरेलू बाजार, पूंजीगत व्यय, रेकार्ड खाद्यान्न उत्पादन और विदेशी मुद्रा भंडार देश की शक्ति है। साथ ही ये सभी कारक भारत को बाहरी आर्थिक झटकों से बचा रहे हैं। मगर अभी देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के लिए रफ्तार से बढ़ना होगा। युवाओं को देश की शक्ति बनाना होगा। हमें युद्ध पर आधारित ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में भी तैयार होना होगा, जहां जरूरत पड़ने पर तेजी से औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का इस्तेमाल करते हुए युद्ध सामग्री का निर्माण हो सके। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोड़ कर सैन्य साजो-सामान को अत्याधुनिक बनाने में भी तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश में साइबर और सूचना क्षमताओं का विस्तार करना होगा। क्योंकि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये आधुनिक चिप से निर्मित मिसाइलों व उन्नत ड्रोन के इस्तेमाल से हवा, समुद्र तथा अंतरिक्ष में भी लड़े जाते हैं।

भारत को हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ एआइ की नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की हाल की उपलब्धियां दुनिया भर में रेखांकित की जा रही हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत रूस के बाद व्यावसायिक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' संचालित करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। इससे देश दुनिया की परमाणु महाशक्ति के रूप में उभरेगा। भारत ने पिछले एक दशक में रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक के रूप में खुद को बदला है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 38424 करोड़ रुपए का रेकार्ड रक्षा निर्यात किया है। मगर अभी भी रक्षा मजबूती के लिए मीलों चलना बाकी है। 'मेक-इन-इंडिया' के तहत आधुनिक हथियारों का मजबूती से स्वदेशीकरण होगा। भारत को सैन्य साजो-सामान के आधुनिकीकरण के साथ साइबर तकनीक और आधुनिक मिसाइलों से सुसज्जित होना होगा। उम्मीद है देश आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

पछतावे से नहीं विश्वास से आगे बढ़ें...

आप आज जो भी सबक सीख रहे हैं- यहां तक कि यह शांत ठहराव भी आपको उस भविष्य के लिए तैयार कर रहा है, जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल है। विषम परिस्थितियां ही हमारे भीतर छिपे सोने को कुंदन बनाती हैं और जब तक हम संघर्षों की भट्टी से नहीं तपते, हमारा असली निखार सामने नहीं आता। खुद के प्रति थोड़े नरम रहें, अपनी गति से आगे बढ़ें और अपने दिल के दरवाजे को हमेशा खुला रखें, ताकि आप बिना किसी शिकायत के पहचान सकें सही समय का सौंदर्य। धैर्य, लगन, अटूट विश्वास और निरंतर प्रयास ही मनुष्य की वास्तविक नियति को पूर्ण करते हैं।

सुधांशु माहेश्वरी

हम सब कभी न कभी एक ऐसे मोड़ से गुजरते हैं, जहां बेहतरीन अवसर हमारा दरवाजा खटखटाता है, लेकिन हम उसे खोलने के बजाय हिचकिचाने लगते हैं। हम अपनी क्षमताओं, समय और ऊर्जा को तौलते हैं और यह तय कर लेते हैं कि हमें थोड़ा और समय चाहिए। तभी, वह अवसर आंखों के सामने से ओझल हो जाता है- कोई और उस जगह को भर देता है, या वह रास्ता बंद हो जाता है। बाद में यह मोड़ दिल में एक गहरा पछतावा छोड़ जाता है। हम खुद को ही कसूरवार मानने लगते हैं कि हमारी झिझक ने एक खूबसूरत पल को बर्बाद कर दिया। अगर हम ठहरकर अपनी जीवन-यात्रा के इस ताने-बाने को समझें, तो एक गहरा सच सामने आता है- आप उस मौके से इसलिए नहीं चूके, क्योंकि आप तैयार नहीं थे, बल्कि कुछ चीजें बस आपके हक में लिखी ही नहीं होतीं। जब योजनाएं अधूरी रह जाती हैं, तो खुद को दोष देना मानवीय स्वभाव है। हम सोचते हैं कि काश हम थोड़े और साहसी, सक्षम या आत्मविश्वासी होते। मगर समय का चक्र दोनों तरफ से चलता है, जिसके लिए हमारी आंतरिक तैयारी और बाहरी परिस्थितियों का तालमेल जरूरी है। जब कोई अवसर हाथ से निकलता है, तो वह हमारी सजा नहीं, बल्कि जीवन का एक सौम्य मार्गदर्शन होता है। जरा सोचिए, आपका उस अवसर से पीछे हटना शायद डर नहीं था, बल्कि आपकी अंतरात्मा का वह इशारा था, जिसने भांप लिया था कि यह रास्ता आपके लिए सही नहीं है। जीवन की यह लय हमें सुकून देती है कि वह दरवाजा इसलिए बंद हुआ, क्योंकि उसके पीछे जो था, वह वास्तव में आपका था ही नहीं। इस सच को समझने के लिए हमें उन महान हस्तियों को देखना चाहिए, जिन्होंने बड़ी विफलताओं का सामना किया, लेकिन अंततः अपना असली मुकाम पाया

देश के महान व्यंग्य-चित्रकार आरके लक्ष्मण के जीवन से भी प्रेरणा मिलती है। किशोरावस्था में उनका सिर्फ यही सपना था कि वे कला की औपचारिक शिक्षा लें। इसके लिए उन्होंने मुंबई के एक प्रतिष्ठित कला संस्थान में आवेदन किया। मगर वहां से जो जवाब आया, वह बेहद रूखा था। अधिकारी ने लिखा कि लक्ष्मण के चित्रों में वह योग्यता ही नहीं है, जो इस संस्थान में प्रवेश के लिए चाहिए। लक्ष्मण अंदर से टूट गए थे और गहरे असमंजस में थे कि क्या उन्हें कला छोड़ देनी चाहिए। मगर रास्ता बंद होने पर उन्होंने हार मानने के बजाय समाचार पत्रों के लिए स्वतंत्र रूप से रेखाचित्र बनाने शुरू कर दिए। इस मोड़ ने उन्हें एक अनोखी शैली विकसित करने के लिए प्रेरित किया, जो किसी भी किताबी नियम की मोहताज नहीं थी। आगे चलकर उन्होंने आम आदमी के उस अमर व्यंग्य-चित्र चरित्र को जन्म दिया, जिसने पचास से अधिक वर्षों तक हर भारतीय के सुख-दुख को बयां किया। अगर उस दिन संस्थान ने उन्हें स्वीकार कर लिया होता, तो वे एक पारंपरिक चित्रकार बनकर रह जाते। मगर हालात ने उनका रास्ता बदला, ताकि उनकी कला करोड़ों लोगों के दिलों की आवाज बन सके।

इस तरह के संघर्षों से प्रेरणा लेकर हम अतीत के पछतावे का बोझ उतार सकते हैं, क्योंकि 'ऐसा होता तो क्या होता' की सोच हमें सिर्फ बीते हुए कल से बांध कर रखती है। यदि आपके दिल में भी किसी छूटे हुए मौके की कसक बची है, तो सबसे पहले खुद को माफ कर दें। यह समझें कि आपका ठहरना केवल इसलिए था, क्योंकि आप अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते थे और यह आपकी कमजोरी नहीं, आपकी ताकत है। बंद दरवाजों पर भरोसा करने का मतलब यह है कि जो मौका गया, वह एक तरह की सुरक्षा थी, जिसने आपको अनजाने तनावों से बचा लिया। जब सही अवसर सामने आएगा, तो वह आपसे यह मांग नहीं करेगा कि आप पूरी तरह दोषरहित हों। इसके विपरीत, वह आपके जीवन के सांचे में इतनी सहजता से ढल जाएगा कि आपकी तैयारी और आत्मविश्वास खुद-ब-खुद बाहर आ जाएगा।

याद रखें, टूटना कभी अंत नहीं होता, बल्कि वह एक नए स्वरूप में खुद को और अधिक मजबूत बनाने की शुरुआत है। तब आप किसी डर की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए आगे बढ़ेंगे, क्योंकि वह रास्ता आपको पूरी तरह अपना लगेगा। यह दुनिया किसी उल्टी गिनती वाली घड़ी पर नहीं चलती और आपकी खुशियों या आपकी सफलता की कोई अंतिम तारीख तय नहीं है। इसलिए, आने वाले कल की ओर बढ़ते हुए एक गहरी सांस लें। हर लहर को पकड़ने के तनाव को मन से निकाल दें और यह विश्वास रखें कि आप इस समय जीवन के जिस मोड़ पर हैं, बिल्कुल सही जगह पर हैं।

आप आज जो भी सबक सीख रहे हैं- यहां तक कि यह शांत ठहराव भी आपको उस भविष्य के लिए तैयार कर रहा है, जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल है। विषम परिस्थितियां ही हमारे भीतर छिपे सोने को कुंदन बनाती हैं और जब तक हम संघर्षों की भट्टी से नहीं तपते, हमारा असली निखार सामने नहीं आता। खुद के प्रति थोड़े नरम रहें, अपनी गति से आगे बढ़ें और अपने दिल के दरवाजे को हमेशा खुला रखें, ताकि आप बिना किसी शिकायत के पहचान सकें सही समय का सौंदर्य। धैर्य, लगन, अटूट विश्वास और निरंतर प्रयास ही मनुष्य की वास्तविक नियति को पूर्ण करते हैं।

डीडीसी ने डिजिटल बिरसा कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धनबाद (कासं) : कृषि के आधुनिकीकरण और किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज ने समाहरणालय परिसर से डिजिटल 'बिरसा कृषि रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ अगले १५ दिनों तक सभी प्रखंडों के सभी पंचायतों में भ्रमण करेगा। इस अवसर पर डीडीसी ने कहा कि इस वर्ष सुपर अल-नीनो के प्रभाव के कारण कम वर्षा की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस स्थिति में सही फसल का चुनाव और वैज्ञानिक सुझावों को गांव गांव तक पहुंचाना ही बिरसा कृषि रथ का मुख्य उद्देश्य है। साथ में रथ के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर किसानों को मिट्टी की जांच, जैविक खेती, फसल विविधीकरण और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग की जानकारी देगी।

रथ के माध्यम से किसानों को बिरसा हरित ग्राम योजना सहित सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। भ्रमण के दौरान रथ के साथ चल रहे कृषि विशेषज्ञ किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे और उन्हें कृषि संबंधित तकनीकी सलाह उपलब्ध कराएंगे। रथ के माध्यम से मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री का कृषकों के नाम संदेश प्रसारित किया जाएगा। अभियान एक उद्देश्य यह भी है कि प्रत्येक किसान तक योजनाओं की सही एवं समय पर जानकारी पहुंचे ताकि कृषक विपरीत मौसम के प्रति सजग रहें एवं अधिकतम लाभ ले सकें।

उन्होंने कहा कि बिरसा कृषि रथ का उद्देश्य जिले के अंतिम छोर पर बैठे किसानों तक पहुंचना है। उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। यह रथ न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि यह किसानों और कृषि विभाग के बीच एक सीधा सेतु है। जिले के सभी प्रखंडों में यह रथ भ्रमण करेगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इससे लाभान्वित हो सकेंगे।मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक मोतीलाल, सहायक तकनीकी प्रबंधक संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूलों के समीप स्थानांतरित करने के लिए की बैठक

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने और आंगनबाड़ी केंद्रों की बुनियादी स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों को नजदीकी सरकारी विद्यालयों के परिसरों में स्थानांतरित करने की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने, जिन केंद्रों में अब तक बिजली कनेक्शन नहीं है, वहाँ तत्काल कनेक्शन लेने की प्रक्रिया शुरू करने तथा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के विकास की पहली सीढ़ी हैं। बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जेबीवीएनएल के कार्यकारी विद्युत अभियंता शिवेंद्र कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

साइबर गैंग का पर्दाफाश, 9 अपराधी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित होटल न्यू हरिइन के कमरा नंबर १०३ और १०८ में छापेमारी कर ९ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले कई सामान बरामद किए गए हैं।

इस संबंध में डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव ने जानकारी देते हुए कहा कि गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के आशीष कुमार, मिथिलेश ठाकुर, मो. आबिद आलम, आशुतोष कुमार आनंद और मनंजर शेर आलम शामिल हैं। वहीं धनबाद के रोहित दॉ और महफुज आलम के अलावा ओडिशा के चन्द्रकांत परिदा और गोड्डा के मो. गुफरान आलम को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास से १२ एंड्रॉयड मोबाइल फोन, १७ सिम कार्ड, १७ एटीएम कार्ड, बैंक खातों से जुड़े क्यूआर कोड, दो चेकबुक, एक पासबुक और ५० हजार नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह साइबर ठगी और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करता था। अलगअलग लोगों के नाम से खोले गए बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़े पैसों के लेनदेन के लिए किया जाता था। फिलहाल साइबर अपराध थाना में मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस अब गिरोह के मुख्य सरगना और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए सबूत जुटा रही है।

पूर्व सबरजिस्ट्रार की हत्या के विरोध में निबंधन कार्यालय का काम काज ठप

धनबाद (कासं) : रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र के बेलसगरा गांव निवासी और गिरिडीह के पूर्व सबरजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के विरोध में धनबाद जिला निबंधन कार्यालय का कामकाज पूरी तरह ठप रहा। निबंधन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

कर्मचारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए हत्या में शामिल अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की घटना सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। निबंधन कर्मियों ने सरकार से मांग की है कि दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। विरोध के कारण पूरे दिन कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा। दस्तावेजों के निबंधन समेत अन्य कार्य नहीं हो सके, जिससे अपने काम से पहुंचे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। बता दें कि विगत मंगलवार को रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र के बेलसगरा गांव में जमीन विवाद को लेकर गिरिडीह के पूर्व सबरजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पूरे निबंधन विभाग में शोक और आक्रोश का माहौल है।

पूर्व विधायक आनंद महतो की तबीयत बिगड़ी, इलाजरत

धनबाद (कासं) : पूर्व विधायक आनंद महतो की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें धनबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में उनका इलाज चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है।

भाकपा माले एवं असंगठित मजदूर मोर्चा के केंद्रीय सचिव पवन महतो ने अस्पताल पहुंचकर पूर्व विधायक आनंद बाबू का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पवन महतो ने परिजनों से भी मुलाकात कर हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। वहीं, आनंद महतो के समर्थक और शुभचिंतक उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

लॉ कॉलेज पहुंचा न्यायरथ, कानून की बारीकियों से रूबरू हुए छात्र

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के जन-जागरूकता अभियान के तहत संचालित जस्टिस रूट (न्याय रथ) लॉ कॉलेज, धनबाद पहुंचा। इस अवसर पर विधि के छात्रछात्राओं को विधिक अधिकारों, विभिन्न सरकारी योजनाओं, मध्यस्थता, लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा नशा नियंत्रण संबंधी कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों, नशे के दुष्परिणामों तथा कानून के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज में विधिक जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। वहीं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डेप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने विद्यार्थियों को मध्यस्थता, लोक अदालत एवं भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए वैकल्पिक विवाद समाधान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि मध्यस्थता और लोक अदालत के माध्यम से कम समय और कम खर्च में विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। इस दौरान सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल शैलेंद्र कुमार झा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, नि:शुल्क विधिक सहायता, पात्रता, तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न कानूनी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विधि के छात्रछात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के साथ सचिव सावर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनों ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में संचालित जस्टिस रूट न्यायरथ आगामी दिनों में शहर के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों का भ्रमण कर विद्यार्थियों के बीच विधिक जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोगों तक कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और न्याय तक सहज पहुंच की जानकारी पहुंचाई जा सके।

ग्रामीण एसपी ने किया पुटकी थाना का निरीक्षण

पुटकी (ससे) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एस. मोहम्मद याकूब ने पुटकी थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी वकार हुसैन सहित थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। ग्रामीण एसपी ने थाना की कार्यप्रणाली, कानूनव्यवस्था की स्थिति तथा लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में दर्ज लंबित मामलों की एकएक कर समीक्षा की और अनुसंधान कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गंभीर मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसके अलावा लंबित वारंटों और कुर्कीजब्ती की कार्रवाई में भी तेजी लाने पर जोर दिया। ग्रामीण एसपी ने थाना के अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, मालखाना, हाजत तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आम लोगों से बेहतर व्यवहार करें, उनकी शिकायतों का त्वरित निष्पादन करें तथा थाना आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने क्षेत्र में नियमित गश्ती, वाहन जांच और अपराधियों पर सतत निगरानी रखने का निर्देश देते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण एवं कानूनव्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही सभी पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को पूरी निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान थाना की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

आग से बचाव व लोगों को सुरक्षित निकालने की विधि से अवगत हुए ग्रामीण

धनबाद (ससे) : ग्रामीणों को आग से बचाव और नियंत्रण की जानकारी देने के उद्देश्य से टिस्को मलकेरा प्राथमिक विद्यालय के परिसर में प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। टाटा सिजुआ ग्रुप की सुरक्षा विभाग तथा फायर फाइटर की टीम के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आग की घटनाओं को रोकना, आपातकालीन स्थिति में सही निर्णय लेना और जानमाल की सुरक्षा करने के तरीकों से अवगत कराया गया। फायर फाइटर नितिन यादव तथा अमित यादव ने पानी का उपयोग करके आग के तापमान को कम करने, आग पर गीली बोरी या कंबल डालकर ऑक्सीजन का संपर्क काटना, ज्वलनशील पदार्थों या ईंधन को हटाकर आग को फैलने से रोकना, फायर एक्सटिंग्विशर यंत्रों का सही समय पर सही तरीके से इस्तेमाल करने की विधि की जानकारी दी। एलपीजी सिलेंडर की सुरक्षा के प्रैक्टिकल डेमो दिखाया गया। शिविर में लगभग २ सौ छात्र और ग्रामीण शामिल हुए। मौके पर सिक्यूरिटी मैनेजर रिंकू गुप्ता सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

टाटा डीएवी में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनी

जोड़ापोखर (ससे) : राष्ट्रीय चिकित्सक दिस के अवसर पर टाटा डीएवी स्कूल, जामाडोबा में चिकित्सकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रात:कालीन सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने भाषण, कविता एवं अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में चिकित्सकों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सम्माननीय प्राचार्य अमितावा दासगुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए चिकित्सकों की नि:स्वार्थ सेवा, समर्पण एवं मानवता के प्रति उनके योगदान की सराहना की तथा सभी से उनके प्रति सम्मान का भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य महोदय, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने टाटा अस्पताल, जामाडोबा का भ्रमण किया तथा वहाँ के चिकित्सकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर टाटा अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम चिकित्सकों के प्रति सम्मान, आभार एवं समाज में उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित एक प्रेरणादायी पहल रहा।

होम्योपैथिक चिकित्सकों को एसएसपी ने किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर धनबाद होमियोपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से होटल रेडिसन में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में होम्योपैथिक चिकित्सक शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ६५ चिकित्सकों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि डॉक्टर समाज के ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन पर लोगों का सबसे अधिक विश्वास होता है। जब कोई व्यक्ति बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य संकट का सामना करता है, तब चिकित्सक ही उसकी जिंदगी बचाने के लिए सबसे पहले खड़े दिखाई देते हैं। इसी कारण डॉक्टरों को भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर दिनरात, मौसम और परिस्थितियों की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं। कई बार उन्हें अपने परिवार से दूर रहकर भी लोगों की जान बचाने के लिए कार्य करना पड़ता है। यह उनकी सेवा भावना, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। उन्होंने कहा कि समाज को चिकित्सकों के योगदान का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति सदैव आदर का भाव रखना चाहिए।

एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के तेजी से विकसित होने के बावजूद होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति आज भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि प्राचीन चिकित्सा पद्धति को आधुनिक समय में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना आसान नहीं है, लेकिन होम्योपैथिक चिकित्सक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। यह न केवल गौरव का विषय है बल्कि समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का भी प्रमाण है। उन्होंने सभी चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे होम्योपैथी चिकित्सा की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गरीब, जरूरतमंद और असहाय लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहें। उन्होंने विश्वास जताया कि होम्योपैथिक चिकित्सकों का योगदान भविष्य में भी समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान धनबाद होमियोपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी चिकित्सकों के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। संगठन भविष्य में भी चिकित्सकों के हितों के साथसाथ जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता रहेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के डॉ. काजल सरकार, डॉ. विजय कुमार, डॉ. सी.बी. मेहता, डॉ. रानी साजश्री सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों होम्योपैथिक चिकित्सक उपस्थित रहे। समारोह में चिकित्सकों को सम्मानित किए जाने के साथसाथ उनके अनुभवों का भी साझा किया गया तथा समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना की गई।

बरारी कोलियरी में संयुक्त मोर्चा की बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : बरारी कोलियरी में संयुक्त मोर्चा की एक महत्वपूर्ण पीठ बैठक आयोजित की गई, जिसमें एनसीडब्ल्यूए१२ वेतन समझौते को शीघ्र लागू करने तथा क्षेत्र की विभिन्न श्रमिक समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित नेताओं एवं मजदूरों ने वेतन समझौते में हो रही अनावश्यक देरी पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कोयला श्रमिक लंबे समय से नए वेतन समझौते का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं होने से कर्मचारियों में निराशा और आक्रोश व्याप्त है। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द ही एनसीडब्ल्यूए१२ को लागू नहीं किया गया तो मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए चरणबद्ध आंदोलन और विरोधप्रदर्शन तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन पर होगी।

बैठक में मजदूरों से जुड़ी कई अन्य समस्याओं, जैसे कार्यस्थल पर मूलभूत सुविधाओं की कमी, सुरक्षा व्यवस्था, आवास, चिकित्सा सुविधा तथा अन्य लंबित मांगों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और संयुक्त मोर्चा मजदूरों की हर समस्या के समाधान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेगा। बैठक में मजदूरों से संगठित रहने और आगामी आंदोलनों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा के नेता सुदर्शन प्रसाद, सबूर गोराई, मनोहर सिंह, सलाउद्दीन अंसारी, सुरेश कुमार, हराधन गोराई, मंटू बाउरी, बलबीर कुमार सिंह, बप्पा दत्ता, शिव कुमार विश्वकर्मा, शोयब अंसारी, बी.सी. मिश्रा, विनय यादव सहित बड़ी संख्या में मजदूर साथी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मजदूर हितों की रक्षा के लिए संयुक्त रूप से संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

बोकारो रेलवे स्टेशन पर 11 बच्चों का रेस्क्यू

बोकारो (ससे) ३० जून की रात्रि में बोकारो रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चाइल्डलाइन के सहयोग से पटना-रांची ट्रेन से कुल ११ बच्चों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। सभी बच्चों को नियमानुसार बाल कल्याण समिति, बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में ज्ञात हुआ कि सभी बच्चे बिहार राज्य के अररिया जिले के निवासी हैं तथा उनकी आयु लगभग १२ से १७ वर्ष के बीच है। बच्चों ने बताया कि उनके गांव के दो युवक उन्हें रांची में रेलवे से संबंधित कार्य कराने के उद्देश्य से लेकर जा रहे थे। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि अधिकांश बच्चे अपना नाम तक लिखना नहीं जानते हैं, जिससे उनकी शैक्षणिक एवं सामाजिक रूप से अत्यंत कमजोर स्थिति परिलक्षित होती है।

बाल कल्याण समिति, बोकारो द्वारा बच्चों की सुरक्षा एवं सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए सभी बच्चों को तत्काल अस्थायी देखभाल एवं संरक्षण हेतु बाल देखभाल संस्थान भेजा गया है। साथ ही, बच्चों को रांची ले जाने के वास्तविक उद्देश्य, संभावित बाल तस्करी, बाल श्रम अथवा अन्य अपराधों के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

बच्चों के समुचित पुनर्वास, मनोसामाजिक सहयोग एवं भविष्य के सशक्तिकरण के उद्देश्य से उन्हें णछखउएक्र के कार्यक्रम के अंतर्गत आयु एवं आवश्यकता के अनुरूप काउंसेलिंग, मनोसामाजिक सहायता, जीवन-कौशल आधारित सत्र तथा करियर जागरूकता संबंधी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या-समाधान, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, कार्यस्थल पर व्यवहार तथा सुरक्षित रोजगार एवं आजीविका से संबंधित आवश्यक जानकारी विकसित की जाएगी।

बाल कल्याण समिति, बोकारो की अध्यक्ष श्रीमती लीलावती देवी ने कहा, ११ बच्चों को रांची ले जाने के पीछे के वास्तविक उद्देश्य की गहन जांच की जा रही है। यदि जांच में किसी व्यक्ति अथवा गिरोह की संलिप्तता पाई जाती है, तो उनके विरुद्ध विधि सम्मत कठोर कार्रवाई के लिएअग्रसरित की जाएगी। बाल कल्याण समिति प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा, संरक्षण एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

बाल कल्याण समिति ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी बच्चे को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाते हुए देखें अथवा बाल तस्करी, बाल श्रम या बाल शोषण की आशंका हो, तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन १०९८ अथवा संबंधित विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। इस संपूर्ण रेस्क्यू एवं संरक्षण प्रक्रिया में रेलवे सुरक्षा बल , चाइल्डलाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई , बाल देखभाल संस्थान तथा बाल कल्याण समिति , बोकारो की महत्वपूर्ण एवं समन्वित भूमिका रही।

न्यू गोधर कुसुंडा कोलियरी में जेसीएमयू का मांग दिवस

केन्दुआ (ससे) : सेन्ट्रल ट्रेड यूनियन के राष्ट्रव्यापी आह्वान एवं झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन के केन्द्रीय महासचिव फागू बेसरा के दिशा-निर्देशानुसार बीसीसीएल कुसुंडा क्षेत्र संख्या-६ अंतर्गत न्यू गोधर कुसुंडा कोलियरी में मांग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मजदूरों, यूनियन पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लेकर झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन के झंडे एवं बैनर के साथ प्रदर्शन किया।

इस दौरान मजदूरों ने अपनी विभिन्न मांगों को बुलंद आवाज़ में उठाते हुए १२वें राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौते को शीघ्र लागू करने तथा मजदूर विरोधी बताए जा रहे चारों लेबर कोड को वापस लेने की मांग किया।सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कोयला मजदूरों के हितों की रक्षा, सम्मानजनक वेतन तथा श्रमिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए संघर्ष आगे भी लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। उन्होंने मजदूरों से संगठित रहकर अपने अधिकारों की लड़ाई को और मजबूत करने का आह्वान किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में जेसीएमयू कुसुंडा क्षेत्र सचिव अजय रवानी, अध्यक्ष अभिषेक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस अवसर पर क्षेत्र सचिव श्री रवानी, न्यू गोधर कुसुंडा कोलियरी सचिव राजेश राम, जोन सदस्य महादेव हँसदा, किशोर मुर्मू, धर्मेंद्र साव, नंदलाल, मुन्ना पासवान, बिरजू भुइयाँ, पाचू गोपाल बाउरी, कमलेश नोनिया, अवधेश कुमार, पप्पी खान एवं टिक्की कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसके अलावा पीबी एरिया जेसीएमयू के एरिया सचिव मिथुन यादव, क्षेत्र अध्यक्ष अश्विनी कुमार, शमसाद अंसारी एवं जितेंद्र पासवान ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर मजदूरों की मांगों का समर्थन किया। कार्यक्रम का समापन मजदूर एकता जिंदाबाद, झण्डा बुलंद रहे हमारा तथा झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन जिंदाबाद के नारों के साथ हुआ।

संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शन करते हुए पदाधिकारी

लोयाबाद (ससे) : संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जेबीसीसीआई १२ के गठन करने हेतु गेट मीटिंग एवं धरना-प्रर्दशन करते हुए संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी आरसीएमयू के तरफ से रामराज राजभर. कृष्ण कुमार पाण्डेय. अजय यादव. रमेश नोनिया. राम महेश अधिकारी. बबलू पासी, रबि कुमार दास, माला देवी, नगीना देवी, शंकर राजभर, राम बहादुर हरिजन, दशरथ हरिजन, गुलाम नजदानी अंन्सारी, एआईटीयूसी के तरक से मनोज चौहान. नरायण साव. रोविन्स कुमार. सुनील कुमार, महेश देशवाली, अजय कुमार, जेएमएस के तरफ से विजय कुमार, मनोज कुशवाहा, संजय प्रसाद, कारी देवी, नगीना पासवान, विमलेश कुमार, अजय बाउरी, राजकुमार राजभर, सीटू के तरफ से राजेन्द्र रविदास, विरजू भुईयां, कमल त्रिगुनाई, केश बिहारी, राजभर आदि शामिल थे।

भूली में कचरों का अंबार, लोगों का जीना हुआ हराम

धनबाद (कासं) : शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के दावे लगातार किए जा रहे हैं। मुख्य सड़कों पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता रैंकिंग सुधारने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन भूली के वार्ड-१६ की तस्वीर इन दावों की हकीकत बयां करती नजर आती है। यहां वर्षों से चार वार्डों का कचरा खुले में डंप किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन नारकीय बन गया है। भूली हाई स्कूल के पीछे स्थित डंपिंग यार्ड में वार्ड-१५, १६, १७ और १८ का कचरा कई वर्षों से डाला जा रहा है। कचरे के विशाल ढेर से उठने वाली दुर्गंध और फैली गंदगी के कारण आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ स्कूल आने वाले छात्र-छात्राओं को भी रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मानसून की शुरुआत के साथ ही हालात और गंभीर हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ा है, जबकि फॉगिंग की व्यवस्था नाममात्र की है। ऐसे में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें दिन-रात मच्छर भगाने वाली अगरबत्तियों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

डंपिंग यार्ड में प्लास्टिक और अन्य जहरीले कचरे की भरमार है। आसपास घूमने वाले गाय, भैंस और अन्य मवेशी इस कचरे को खा रहे हैं, जिससे उनके बीमार होने की आशंका बनी हुई है। वहीं स्कूल के समीप कचरा जमा होने से बच्चों के स्वास्थ्य और पढ़ाई दोनों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार वार्ड पार्षद और नगर निगम के अधिकारियों से डंपिंग यार्ड हटाने की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। एक ओर स्वच्छता अभियान और बेहतर रैंकिंग के दावे किए जा रहे हैं, तो दूसरी ओर भूली के वार्ड-१६ की यह तस्वीर उन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अब देखना होगा कि नगर निगम और जनप्रतिनिधि इस लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान कब तक करते हैं।

अनुमंडल कार्यालय परिसर में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग

डुमरी (ससे) : झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने डुमरी अनुमंडल कार्यालय परिसर में पेयजल की गंभीर समस्या पर चिंता जताई है।उन्होंने कहा कि अनुमंडल कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों लोग विभिन्न कार्यों को लेकर पहुंचते हैं लेकिन पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण वैसे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कहा कि अनुमंडल कार्यालय परिसर में एसडीपीओ कार्यालय,निबंधन कार्यालय,डुमरी पैक्स,अधिवक्ता भवन,सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र अवस्थित है जिससे जुड़े कार्यों को लेकर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

परंतु भीषण गर्मी के बीच पेयजल की व्यवस्था नहीं रहने से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।उन्होंने बताया कि वे इसे लेकर उपायुक्त एवं नवपदस्थापित एसडीएम को पत्र सौंप कर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग करेंगे ताकि लोगों को पेयजल उपलब्ध हो सके।कहा कि सरकारी कार्यालयों में आम नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए इस समस्या का त्वरित समाधान किया जाना आवश्यक है।इस दौरान यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित व भगतु रविदास रवि केंद्रीय कोषाध्यक्ष नुनूचंद महतो केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार व मदन मोहली, सौरभ विश्वकर्मा, घनश्याम महतो भाकपा माले नेता नागेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

लायंस क्लब ऑफ बलियापुर ने चलाया पौधारोपण कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : लायंस इंटरनेशनल द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एक जिला एक गतिविधि के अंतर्गत बुधवार को बलियापुर लायंस क्लब की ओर से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्लब के पदाधिकारीयों ने क्लब के सदस्य अनवर अली खान के बागान में कूल बीस फलदार वृक्ष के पौधे लगाए गए। इस दौरान लोगों के बीच पौधे का वितरण भी किया गया। पौधे के देखभाल क्लब के सदस्यों द्वारा की जाती है।

मौके पर मौजूद क्लब के नए अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हर साल क्लब की ओर से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है। मौके पर क्लब के सचिव चितरंजन महतो, गिरधारी लाल अग्रवाल, अनवर अली खान, शंकर रविदास, कैलाश प्रसाद अग्रवाल आदि थे।

खुदिया नदी श्मशान घाट में लगाया गया बल्ब

गोविंदपुर (ससे) : खुदिया नदी श्मशान घाट में १४ बल्ब लगाए गए। समाजसेवी शेरा सिंह के सौजन्य से एक साथ इतने बल्ब लगने से शवदाह छावनी पूरी तरह जगमग हो गई है। शेरा सिंह ने अपने दो पुत्रों गुरमीत सिंह और हरमीत सिंह की स्मृति में यह पुण्य कार्य किया है। वर्ष २००४ में वैष्णो देवी यात्रा के दौरान सड़क दुर्घटना में दोनों पुत्रों के असमय निधन के बाद शेरा सिंह ने खुदिया नदी के तट पर इस मोक्ष धाम का निर्माण कराया था। यहां एक साथ कई चिताएं जल सकती हैं। शोक संतप्त परिजनों के बैठने के लिए भवन भी बनाए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों से शेरा सिंह गोविंदपुर स्थित चर्चित खालसा होटल बेचकर लुधियाना शिफ्ट कर गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में बाबू भगत श्मशान घाट के विस्तार और रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं। बाबू भगत ने बताया कि श्मशान घाट में पहले से ८ बल्ब लगे थे। १४ और बल्ब लगने से मोक्ष धाम रोशनी से नहा उठा है। इससे अंतिम यात्रा में आने वाले परिजनों को सुविधा मिलेगी।

विधायक शिक्षा प्रतिनिधि ने जैन मध्य विद्यालय का किया निरीक्षण

डुमरी (ससे): विधायक जयराम महतो के निर्देश पर उनके शिक्षा प्रतिनिधि राजेन्द्र महतो ने बुधवार को पीएनडी जैन मध्य विद्यालय की प्रबंधन व्यवस्था एवं शिक्षण कार्य का जायजा लिया।कक्षाओं में जाकर उन्होंने छात्र-छात्राओं से शिक्षण कार्य की जानकारी हासिल की और उन्हें अपना सुझाव भी दिया।विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था और छात्रों को दी जा रही सुविधाओं से वे पूरी तरह संतुष्ट दिखे।उन्होंने कहा कि इतने कम शुल्क में विद्यार्थियों को योग्य शिक्षकों द्वारा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है और छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है।विद्यालय प्रबंधन का यह कार्य प्रशंसनीय है।विद्यालय से ही दुरभाष द्वारा उन्होंने विधायक को सारी बातों की जानकारी दी।विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन ने उन्हें एक मांग पत्र भी सौंपा।विधायक ने दुरभाष पर आश्वासन दिया की मांगों का निदान करने का हरसंभव प्रयास किया जायेगा।

मां अस्पताल में डॉक्टर्स डे पर कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : बलियापुर हवाई पट्टी स्थित मां हॉस्पिटल में डॉक्टर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केक काटा गया। मौके पर डॉक्टर सीजी साहा, डॉक्टर पप्पू मरांडी, डॉक्टर अजय मित्रा, डॉक्टर बीके बरनवाल, डॉ विकास कुमार, डॉक्टर सूरज एच चौहान, डॉक्टर कुणाल किशोर, डॉक्टर मुकेश प्रसाद, डॉक्टर नंदन कुमार, डॉक्टर आकाशदीप, डॉ आर साहा आदि थे।

चिकित्सकों को उपहार देकर किया गया सम्मानित

गोविंदपुर (ससे) : डॉक्टर्स डे पर विश्वकर्मा क्लिनिक में सम्मान समारोह आयोजित कर स्थानीय चिकित्सकों को शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व उप प्रमुख डीएन सिंह ने की। स्वागत भाषण दिनेश कुमार राय एवं संचालन एसएन लाल त्यागी ने किया। सम्मानित होने वाले चिकित्सकों में डॉ. शशिभूषण सिंह, डॉ. यूएल विश्वकर्मा, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. मनोज कविराज, डॉ. एसके दे, डॉ. उज्ज्वल आजाद एवं डॉ. घनश्याम मिस्त्री शामिल थे।

वक्ताओं ने डॉक्टरों के योगदान की सराहना की। वक्तों ने भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र रॉय को याद करते हुए कहा कि सेवा परमो धर्मः के सिद्धांत पर चलकर ही डॉक्टर समाज की रक्षा करते हैं। इस अवसर पर वासुदेव गोस्वामी, राजकुमार गिरि, जय प्रकाश मिश्र, डॉ. आरके शर्मा, सुरेश चौधरी, अशोक कुमार दुबे प्रदीप सिंह सुशांत पांडेय, प्रमोद सिंह, दामोदर पांडेय, विवेकानंद पांडेय, सुरेश शर्मा, रामचंद्र मिश्र, शिशिर भगत, ओमप्रकाश उपाध्याय, आरके सिंह आदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया

गिरिडीह (ससे): एलआईसी गिरिडीह शाखा कार्यालय में अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ का ७६ वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया । कार्यक्रम की शुरुआत उपाध्यक्ष कुमकुम बाला वर्मा के द्वारा झंडोतोलन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडलीय सांगठनिक सचिव अनुराग मुर्मू ने किया श्र कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संघ के सचिव धर्म प्रकाश ने कहा कि अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ की स्थापना १ जुलाई १९५१ को हुई थी श्र संघ ने स्थापना काल से ही बीमा क्षेत्र के राष्ट्रीयकरण का मुद्दा उठाया तथा संघर्ष किया जिसके परिणामस्वरूप देश के २५० निजी बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकण कर १ सितंबर १९५७ को भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना की गई । एल आई सी ने ५ करोड़ की पूंजी से शुरूआत कर अभी ५५ लाख करोड़ से अधिक परिसंपत्ति अर्जित कर लिया।

अभी एल आई सी इस देश की सबसे मूल्यवान संस्था है तथा देश की आर्थिक रीढ़ है। एलआईसी के द्वारा देश के आधारभूत संरचना के विकास में ४४ लाख करोड़ से अधिक निवेश किया गया। कुछ वर्ष पूर्व केंद्र सरकार के द्वारा इस उत्कृष्ट संस्थान का ३.५० प्रतिशत शेयर का विनिवेश किया गया तथा अभी फिर से ७ प्रतिशत शेयर का विनिवेश करने का निर्णय लिया गया जो उचित नहीं है। यह सिर्फ निगम को कमजोर करने तथा निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

सरकार के निगम विरोधी नीतियों के खिलाफ संघ आंदोलन करेगी । संघ के ७६ वें स्थापना दिवस के अवसर पर एलआईसी शाखा कार्यालय में सतु शर्बत वितरण का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें ५०० से अधिक लोगों को शर्बत पिलाया गया ।

कार्यक्रम में पेंसनर संघ के लक्ष्मी नारायण गुप्ता संहिता सरकार डेनियल मरांडी तथा बीमा कर्मचारी संघ के अनुराग मुर्मू कुमकुम बाला वर्मा विजय कुमार राजेश कुमार उपाध्याय उमानाथ झा रोशन कुमार सुनील कुमार वर्मा राजेश कुमार विनय कुमार अंशु सिंघानिया सबा प्रवीण प्रदीप कुमार अभय कुमार मो महफूज़ अली कुलजीत कुमार देवनाथ दास प्रभाष कुमार संजय कुमार शर्मा प्रदीप प्रसाद घनश्याम साव सहित सभी सदस्यों ने भाग लिया।

लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट के द्वारा वृक्षारोपन किया गया

गिरिडीह (ससे): लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट के द्वारा किरण पब्लिक स्कूल कोल्डिहा में ५० फलदार पेड़ लगाया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन ने कहा कि आज से लायन वर्ष की शुरूआत हुई। कार्यक्रम के तहत् वृक्षारोपन किया गया। हमलोगो ने तय किया है कि इस वर्ष क्लब के द्वारा गिरिडीह के आस पास क्षेत्र में कम से कम १००० पेड़ लगाया जाएगा। हमारे क्षेत्र में प्राकृतिक असंतुलन बढ़ रहा है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ लगाना चाहिए। डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि हमारा क्लब आगामी वर्ष में मानव सेवा के कई कार्यक्रम करने का निर्णय लिया है।

राँग साइड पर चलने वालों के खिलाफ काटा चालान

गोविंदपुर (ससे) : ट्रैफिक पुलिस ने गोविंदपुर बाजार में जीटी रोड पर रॉन्ग साइड चलने वालों के खिलाफ अभियान चलाया इस दौरान करीब १० वाहनों का चालान काटा गया इसके बाद लोगों ने रॉन्ग साइड वाहन चलाना बंद किया। इससे जीटी रोड पर लगा जाम बहुत हद तक नियंत्रित हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि गोविंदपुर में सड़क जाम का प्रमुख कारण वाहनों का रॉन्ग साइड परिचालन और दुकानों के आगे मोटरसाइकिल लगाना है।

दुकानों के आगे वहां लगाने से भी सड़क जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है इसके खिलाफ भी ट्रैफिक पुलिस द्वारा अभियान चलाया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि यदि लोग सीधे रास्ते आना-जाना करेंगे तो जाम की समस्या बहुत हद तक नियंत्रित रहेगी। रॉन्ग साइड वहां परिचालन से ही जाम की समस्या गंभीर हो रही है। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर बाजार में रॉन्ग साइड ड्राइविंग और दुकानों के आगे वाहन लगाने के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

प्रिंस खान की मदद से दुबई में ठिकाना बना चुके हैं ढुल्लू महतो : विधायक अरूप

धनबाद (कासं) : धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो और विधायक अरूप चटर्जी के बीच की जुबानी जंग अब लोकसभा तथा विधानसभा में पहुचेंगी। विधायक अरूप चटर्जी ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनके पार्टी के सांसद सुदामा प्रसाद लोकसभा में धनबाद में कोयला चोरी का मामला उठाएंगे और वह खुद विधानसभा में कतरासबाघमारा क्षेत्र में हो रहे कोयला चोरी का मुद्दा उठाएंगें। विधायक का रुख कड़ा था। उन्होंने संवाददाताओं के सामने सांसद के बेटे के नाम से एक हार्ड कोक भट्टे का खुलासा किया।

उन्होंने यहां तक कह दिया कि प्रिंस खान के सहयोग से सांसद दुबई में अपना ठिकाना बना लिए है। केंद्र सरकार को चाहिए कि सांसद का पासपोर्ट और अन्य कागजात कैंजे में ले लें। नहीं तो सत्ता से बाहर होते ही वह विदेश भाग जाएंगे। दरअसल, फिलहाल सांसद और विधायक में जंग छिड़ी हुई है। सांसद ने कहा था कि जिसका बेटा नहीं होगा, वह परिवार का दर्द क्या समझेगा? अरूप चटर्जी ने कहा कि हां, मुझे बेटा नहीं है। मेरी दो बेटियां हैं, लेकिन दोनों बेटियां किसी के बेटे से कम नहीं हैं। सांसद ढुल्लू महतो ने आरोप लगाया था कि निरसा में एलिवेटेड फ्लाईओवर का काम विधायक अरूप चटर्जी ने पैसे के लिए रोका है। अरूप चटर्जी विकास विरोधी मानसिकता के व्यक्ति हैं। निरसा क्षेत्र के कल-कारखानों को बंद करवा दिया।

सांसद ने कहा था कि एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण गोविंदपुर में भी हो रहा है, लेकिन सिंदरी विधायक ने कोई अड़ंगा नहीं डाला। निरसा में अरूप चटर्जी को परेशानी क्यों हो रही है? हर कोई समझ रहा है कि निरसा विधायक की सोच क्या है? विधानसभा चुनाव में अरूप चटर्जी को जनता जवाब देगी। विकास योजनाओं में राजनीति महंगी पड़ेगी। सांसद ने अरूप चटर्जी पर कई व्यक्तिगत हमले भी किए थे। कहा कि हर राज्यसभा चुनाव में अरूप चटर्जी पर बिकने का आरोप लगता रहा है। सांसद ने आरोप लगाया था कि निरसा के ओम बास्को फैक्ट्री में विधायक की हिस्सेदारी है। सांसद ने कहा था कि यदि उनके १३ भट्ठे हैं, तो अरूप चटर्जी सरकार में हैं, जांच करा लें, पुष्टि हो गई तो सभी भट्टे अरूप चटर्जी के नाम पर कर राजनीति से संन्यास ले लेंगें। उन्होंने कहा था कि उनका जो बेटा पढ़ाई कर रहा है, उसका नाम राजनीति फायदे के लिए घसीटना मानसिक दिवालियापन का संकेत है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस द्वारा अभिलेखों के डिजिटलीकरण की दिशा में चलाए जा रहे विशेष अभियान को नई गति देने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले १२ पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। चार्जशीट एवं अंतिम प्रतिवेदन से संबंधित लीगेसी डेटा के तहत इंटीग्रेटेड इंफॉर्मेशन फॉर्म५ की ऑनलाइन प्रविष्टि में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर एसएसपी ने कहा कि पुलिस रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से तकनीक आधारित कार्य प्रणाली को अपनाते हुए लंबित अभिलेखों के शीघ्र डिजिटलीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आह्वान किया।

धनबाद पुलिस द्वारा पुराने लंबित अभिलेखों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अद्यतन करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थानों की सीसीटीएनएस शाखा में कार्यरत पुलिसकर्मियों ने तकनीकी दक्षता, मेहनत और समर्पण का परिचय देते हुए बड़ी संख्या में कांडों की ऑनलाइन प्रविष्टि सफलतापूर्वक पूरी की, जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में सिंदरी थाना के आरक्षी संख्या १७१५ राम चंद्र मरांडी (१८ कांड), बैंक मोड़ थाना के आरक्षी २२६७ विजय दास (२५ कांड) एवं आरक्षी १७२ शिवराम दास (२४ कांड), झरिया थाना के आरक्षी ५४७ केदारनाथ चार (१३५ कांड) तथा महिला आरक्षी १७५१ गुड़िया कुमारी (१३५ कांड), बलियापुर थाना के आरक्षी १५५६ राज कुमार दास (३० कांड) एवं आरक्षी ७४४ राजेंद्र साव (३० कांड), तिसरा थाना के आरक्षी १५९५ प्रकाश चंद्र रजवार (४७ कांड), चिरकुंडा थाना के आरक्षी २१९९ संजीत कुमार (५९ कांड), तोपचांची थाना के आरक्षी १३६८ जगन्नाथ चंद्र बारुई (५९ कांड), धनसार थाना के आरक्षी १४०४ अमित कुमार (६९ कांड) तथा महिला आरक्षी १८१९ कुमारी बुलबुली (६९ कांड) शामिल हैं। इन सभी पुलिसकर्मियों ने लीगेसी डेटा की ऑनलाइन प्रविष्टि का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर धनबाद पुलिस के डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन अभियान को मजबूती प्रदान की, जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।

विधायक रागिनी ने किया ट्रांसफार्मर व पेयजल योजना का शुभारंभ

झरिया (ससे) : झरिया विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कई जनहितकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। इस क्रम में झरिया ४ नंबर बस स्टैंड के समीप हेटलीबांध क्षेत्र में नए विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। वहीं कोईरीबाँध, बर्फ़कल एवं चंडी मंदिर क्षेत्र में पेयजल संकट के स्थायी समाधान के लिए नए पेयजल कनेक्शन कार्य का भी शुभारंभ किया गया। हेटलीबांध क्षेत्र के लोग लंबे समय से लो वोल्टेज और अनियमित बिजली आपूर्ति की समस्या से परेशान थे। क्षेत्रवासियों की मांग एवं विधायक रागिनी सिंह के प्रयास से लगाए गए नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से बिजली व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे वर्षों से चली आ रही बिजली संबंधी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। उन्होंने इसे जनसुविधा और क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इसी प्रकार कोईरीबाँध, बर्फ़कल एवं चंडी मंदिर क्षेत्र के हजारों परिवार लंबे समय से पेयजल संकट का सामना कर रहे थे। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से नए पेयजल कनेक्शन का शुभारंभ किया गया। परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के एक हजार से अधिक लोगों को नियमित, स्वच्छ एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इससे वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान होगा और स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा, झरिया की जनता को बिजली, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता की समस्याओं का समाधान ही मेरी प्रतिबद्धता है। क्षेत्र के प्रत्येक मोहल्ले तक विकास कार्य पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी जनहित से जुड़ी हर आवश्यकता को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा, ताकि झरिया की जनता को बेहतर सुविधाएं और बेहतर जीवन मिल सके। उद्घाटन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। लोगों ने विधायक रागिनी सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र की बिजली एवं पेयजल व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा और हजारों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

तेज आंधी ने उड़ाया जालान फैक्ट्री का छत, हादसा टला

धनबाद (कासं) : धनबाद में शाम को आई तेज आंधी और बारिश ने तबाही मचा दी। भूली स्थित हिंदुस्तान मेलाबल्स एंड फॉर्गिंग्स लिमिटेड यानी जालान फैक्ट्री में आंधी की वजह से छत का बड़ा हिस्सा ताश के पत्ते की तरह उड़ गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई मजदूर इसकी चपेट में नहीं आया और एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त फैक्ट्री में करीब ४० से ५० मजदूर मेंटेनेंस का काम कर रहे थे। तेज हवा और वज्रपात के बाद अचानक फैक्ट्री की छत का हिस्सा टूटकर नीचे गिरने लगा और छत पर लगे बड़ेबड़े टिन के करकट हवा में उड़ गए। स्थानीय निवासी बजरंगी रवानी ने बताया कि फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज कर मजदूरों से काम कराया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर छत का हिस्सा किसी मजदूर के ऊपर गिर जाता तो बड़ी घटना हो सकती थी। वहीं स्थानीय युवक नितेश ने बताया कि शाम करीब सवा पांच बजे बारिश के दौरान जोरदार वज्रपात हुआ, जिसके बाद फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां उस समय मजदूर मौजूद नहीं थे, जिस वजह से जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में मजदूरों और स्थानीय लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। फिलहाल मलबा हटाने का काम जारी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। गौरतलब है कि जालान फैक्ट्री धनबाद की पुरानी औद्योगिक इकाइयों में शामिल है, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय मजदूर काम करते हैं।

मातृसदन अस्पताल विवाद में विधायक रागिनी ने दोनों पक्षों के बीच कराया समझौता

झरिया (ससे) : झरिया ४ नंबर स्थित मातृसदन अस्पताल में विगत कई दिनों से अस्पताल प्रबंधन और स्थानीय लोगों के बीच चल रहे विवाद के समाधान के लिए झरिया विधायक रागिनी सिंह स्वयं मौके पर पहुँचीं। स्थानीय लोगों के आग्रह पर अस्पताल पहुंचीं विधायक ने पूरे मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों पक्षों की बातें विस्तार से सुनीं।

विधायक रागिनी सिंह ने अस्पताल प्रबंधन एवं स्थानीय लोगों के साथ अलगअलग और संयुक्त रूप से बातचीत कर आपसी संवाद एवं समन्वय के माध्यम से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कराया। उनकी पहल के बाद दोनों पक्षों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर सहमति जताई।

इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि जनहित से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान संवाद और आपसी विश्वास से ही संभव है। अस्पताल जैसी संस्थाएं लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी होती हैं, इसलिए सभी पक्षों का दायित्व है कि वे सहयोग और समन्वय की भावना के साथ कार्य करें। जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

उन्होंने सभी पक्षों से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए आपसी सहयोग, सौहार्द एवं बेहतर समन्वय बनाए रखने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो और क्षेत्रवासियों को निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं मिलती रहें।विधायक की पहल से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान होने पर स्थानीय लोगों ने संतोष व्यक्त करते हुए उनके प्रयास की सराहना की। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे।

बाल विवाह के खिलाफ डालसा का जागरूकता शिविर

धनबाद (कासं) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद के सचिव के आदेशानुसार खरखरी में बाल विवाह के खिलाफ सामाजिक चेतना जगाने के उद्देश्य से एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य विषय बाल विवाह उन्मूलन एवं कानूनी संरक्षण शिविर के मुख्य उद्देश्य एवं चर्चा के बिंदु, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी, शिविर में उपस्थित ग्रामीणों, अभिभावकों और युवाओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के कड़े कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें जागरूक किया गया कि तय उम्र से पहले विवाह करना और उसमें सहयोग करना कानूनन एक गंभीर और दंडनीय अपराध है। शारीरिक और मानसिक दुष्परिणाम: वक्ताओं ने कम उम्र में विवाह होने से बच्चियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके मानसिक विकास पर पड़ने वाले विपरीत प्रभावों को रेखांकित किया। समाज में बेटियों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें बाल विवाह की बेड़ियों से मुक्त कर उच्च शिक्षा देने की अपील की गयी। राष्ट्रीय मुफ़्त विधिक सहायता कार्यक्रम के दौरान सभी ग्रामीणों को प्रेरित किया गया कि यदि उनके आसपास कहीं भी बाल विवाह होने की सूचना मिलती है, तो वे तुरंत राष्ट्रीय मुफ़्त कानूनी सहायता हेल्पलाइन नंबर १५१०० पर इसकी सूचना दें, ताकि डीएलएसए के माध्यम से त्वरित कानूनी हस्तक्षेप कर बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जाए।

डीएवी बनियाहीर के विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

जोड़ापोखर (ससे) : दीक्षा महिला मंडल बीसीसीएल द्वारा सामुदायिक भवन में आयोजित दो दिवसीय टैलेंट कार्नीवाल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डीएवी बनियाहीर के विद्यार्थियों को विद्यालय की प्रात:कालीन प्रार्थना सभा में सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में धनबाद के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने गायन एवं नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में डीएवी बनियाहीर की छात्राओं कृति सिंह (कक्षा १०बी), मौली माजी (कक्षा १०ए), सिमरन कुमारी (कक्षा १०बी), ऋद्धि कुमारी (कक्षा ८बी) एवं वैष्णवी कुमारी (कक्षा ८बी) ने अपनी मनमोहक सामूहिक नृत्य प्रस्तुति से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीतते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या ने प्रार्थना सभा में सभी विजेता छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा के माध्यम से विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने भी छात्राओं की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

डिग्री कॉलेज, आरएसपी2 को मिला प्रिंटर

जोड़ापोखर (ससे) : शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत डिग्री कॉलेज, आरएसपी२, झरिया में समाजसेवी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार अग्रवाल तथा श्री पवन कटेसरिया (धनबाद मार्बल्स) के सौजन्य से कॉलेज को एक आधुनिक प्रिंटर भेंट किया गया। यह सहयोग कॉलेज की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य आर.पी. सिंह एवं राजकुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्राचार्य आर.पी. सिंह ने श्री राजकुमार अग्रवाल का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया तथा शिक्षा के प्रति उनकी सकारात्मक सोच और सहयोगी भावना की सराहना की।

अपने संबोधन में राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि किसी भी समाज का समग्र विकास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर निर्भर करता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी कॉलेज के शैक्षणिक, तकनीकी एवं आधारभूत संरचना के विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करते रहेंगे। वहीं पवन कटेसरिया द्वारा दिए गए सहयोग की भी उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

कॉलेज परिवार ने दोनों समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा संस्थान की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कॉलेज में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना, शिक्षा के क्षेत्र में समाज की भागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा यह संदेश देना था कि सामाजिक सहयोग और जनभागीदारी के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों का विकास अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। इस पहल को उपस्थित लोगों ने शिक्षा के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

दिव्यांग स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित विशेष दिव्यांग स्कूल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर दिव्यांग बच्चों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विनीता अग्रवाल ने स्कूल पहुंचकर सभी बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में दिव्यांग बच्चों को पूरी तरह नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं नियमित देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की ओर से मुख्य अतिथि डॉक्टर विनीता अग्रवाल को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उनके समाज सेवा, मानवता और चिकित्सा क्षेत्र में दिए जा रहे अमूल्य योगदान की सराहना की। डॉक्टर समाज के सच्चे सेवक हैं, जो लोगों को स्वस्थ जीवन देने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

इस अवसर पर स्कूल की सचिव ने कहा, दिव्यांग बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि कोई भी बच्चा स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आयोजित यह नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर डॉक्टरों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथसाथ बच्चों और उनके अभिभावकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। भविष्य में भी ऐसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। दिव्यांग बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समयसमय पर ऐसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर चिकित्सकों के अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करना था।

बीसीसीएल क्षेत्र के स्कूलों में प्रयोगों व नवाचार से विज्ञान सीख रहें हैं छात्र

धनबाद (कासं) : आईएसएम धनबाद, भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत बीसीसीएल के परियोजना प्रभावित (पीएपी) एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के बीच विज्ञान शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। प्रयोगों, डिजिटल टूल्स, तार्किक सोच और गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से संचालित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित कार्यक्रम विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के साथसाथ उन्हें रचनात्मक और वैज्ञानिक सोच के लिए प्रेरित कर रहा है। यह कार्यक्रम फिलहाल हाई स्कूल भूलीनगर, डीपीएलएमए प्लसटू हाई स्कूल, नावागढ़ तथा केजीबीवी, झरिया में कक्षा ९ और १० के विद्यार्थियों के लिए चलाया जा रहा है। आईआईटी-आईएसएम के मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित इस पहल का नेतृत्व प्रो. रश्मि सिंह (प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर) तथा प्रो. नीलाद्रि दास (प्रोग्राम को-कोऑर्डिनेटर) कर रहे हैं। कार्यक्रम के तहत आईआईटी-आईएसएम के विशेषज्ञ नियमित रूप से स्कूलों का दौरा कर विद्यार्थियों को इंटरैक्टिव कक्षाओं, वैज्ञानिक प्रयोगों, डिजिटल माध्यमों और गतिविधि आधारित शिक्षण के जरिए विज्ञान एवं गणित की अवधारणाएं सरल और रोचक तरीके से समझा रहे हैं। इन कक्षाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता, रचनात्मकता और समस्या समाधान कौशल विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों। हाई स्कूल भूलीनगर की प्राचार्या अर्चना कुमारी ने कहा, आईआईटीआईएसएम के विशेषज्ञों द्वारा अपनाई गई गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति से बच्चों में विज्ञान के प्रति उत्साह बढ़ा है। अब वे विषयों को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं।

डीपीएलएमए प्लसटू हाई स्कूल, नावागढ़ के प्राचार्य प्रेम रंजन ने कहा, इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथसाथ उच्च शिक्षा के प्रति भी नई प्रेरणा जगाई है। वहीं केजीबीवी, झरिया की प्राचार्या सुनीता शॉ ने कहा, ऐसी पहल विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी है। इससे उन्हें सीखने का नया अनुभव मिल रहा है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नियमित स्टेम कक्षाओं से कठिन विषयों को समझना आसान हो रहा है और विज्ञान के प्रति उनकी रुचि लगातार बढ़ रही है। यह कार्यक्रम पूरे निर्धारित अवधि तक जारी रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को निरंतर गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहयोग मिलता रहेगा।

ओएनजीसी बोकारो में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

बोकारो (ससे): ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति,बोकारो में स्वच्छता पखवाड़ा (दिनांक ०१ जुलाई २०२६ से १५ जुलाई २०२६ तक) का उद्घाटन कार्यक्रम परिसंपत्ति प्रबंधक श्री राजीव कुमार सिन्हा द्वारा शपथ लेकर किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा २०२६ के अंतर्गत ०१ जुलाई २०२६ को परिसंपत्ति प्रबंधक द्वारा स्वच्छता शपथ लिया गया,जिसे उपस्थित कार्मिकों ने दुहराया।परिसंपत्ति प्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम कर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वच्छता आधारित नुक्कड़ नाटक,सफाई अभियान ,सेल्फी एवं हस्ताक्षर अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ध्यातव्य हो कि ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति बोकारो द्वारा सीएसआर के तहत ०१ जुलाई २०२६ से १५ जुलाई २०२६ तक अनवरत स्वच्छता आधारित कार्यक्रम ओएनजीसी के परिचालन क्षेत्र के विद्यालयों,गांवों,बाजार एवं अन्य जगह आयोजित किए जायेंगे।

स्वच्छता आधारित कार्यक्रम में मुख्य रूप से परिसंपत्ति प्रबंधक श्री राजीव कुमार सिन्हा,प्रमुख -अभियांत्रिक सेवाएं श्री एम के राय,प्रमुख - मानव संसाधन श्री दयानंद कालुंदिया,सरफेस प्रबंधक श्री बिपिन प्रसाद, असेट सपोर्ट मैनेजर सुश्री अनिता यादव, प्रमुख वित्त सेवाएं श्री अक्षय कुमार, प्रभारी सीएसआर सुश्री डॉली कुमारी,सभी विभाग प्रमुख,अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

बोकारो (ससे): सोशल मीडिया (एक्स) पर कसमार प्रखंड के तेलमुंगा गांव निवासी बुजुर्ग लोबिन हेंब्रम एवं उनके दिव्यांग पुत्र कालिदास हेंब्रम के संबंध में *पेंशन नहीं मिलने की जानकारी सामने आते ही उपायुक्त अजय नाथ झा ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने कसमार की प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नम्रता जोशी को तत्काल स्थल पर जाकर जांच करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त के निर्देश के आलोक में बीडीओ नम्रता जोशी पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव एवं वार्ड सदस्य के साथ लोबिन हेंब्रम के आवास पर पहुंचीं। उन्होंने जमीन पर बैठ परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं, उपलब्ध दस्तावेजों का सत्यापन किया तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में तत्काल कार्रवाई शुरू कराई।

जांच के दौरान पाया गया कि लोबिन हेंब्रम की आयु मतदाता पहचान पत्र के अनुसार ५२ वर्ष है। जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी पेंशन की प्रक्रिया लंबित थी। मौके पर ही पंचायत सचिव एवं वीएलई के माध्यम से उनका जाति प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन कर दिया गया, ताकि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पेंशन स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

जांच के दौरान सुकुरमनी देवी के दस्तावेजों का भी सत्यापन किया गया। मतदाता पहचान पत्र के अनुसार उनकी आयु ४९ वर्ष पाई गई। नियमानुसार उनकी पात्रता के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जा रही है। लोबिन हेंब्रम के दिव्यांग पुत्र कालिदास हेंब्रम के लिए बैटरी चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्राप्त कर लिया गया है। संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है, ताकि उन्हें शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे। सोशल मीडिया सहित किसी भी माध्यम से यदि किसी जरूरतमंद की सूचना प्राप्त होती है तो जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं हो।

आदिवासी टोला पहुंचकर सुनी समस्याएं विकास कार्यों के दिए निर्देश

बोकारो (ससे): उपायुक्त ने केंदुआडीह गांव के आदिवासी टोला में ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने गांव में मसना (श्मशान स्थल) की आवश्यकता तथा लगातार गिरते भू-जल स्तर के कारण उत्पन्न पेयजल संकट की समस्या उनके समक्ष रखी। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने बीडीओ/सीओ एवं बीडब्ल्यूओ जरीडीह को मसना निर्माण का प्रस्ताव तत्काल तैयार कर जिला कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया। वहीं, पेयजल संकट के स्थायी समाधान के लिए टोला में डीप बोरिंग की संभावनाओं का आकलन करने तथा निकटवर्ती नदी पर चेक डैम निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से संवाद के दौरान उपायुक्त ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि बारिश के पानी को मेड़ बनाकर सुरक्षित करें। गांव का पानी गांव में ही बचाएं। जब वर्षा का पानी गांव में ही रुकेगा, तभी भू-जल स्तर बढ़ेगा और पानी सुरक्षित रहेगा। प्रकृति का यह अमूल्य उपहार हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल योजनाएं लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव-गांव पहुंचकर लोगों की वास्तविक जरूरतों को समझते हुए उनका समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूरस्थ गांवों के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे, यही जिला प्रशासन का उद्देश्य है।

चिकित्सकों के समर्पण को नमन

बोकारो (ससे): हर वर्ष राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस हमें उन चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के असाधारण समर्पण की याद दिलाता है, जो अपने जीवन को लोगों के उपचार, सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए समर्पित करते हैं. डॉक्टर किसी भी स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला होते हैं, लेकिन उनका योगदान तब और अधिक प्रभावी बन जाता है, जब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ भौगोलिक सीमाओं से परे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचती हैं.

भारत ने स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है. इस चुनौती का समाधान सरकार, स्वास्थ्य संस्थानों और उत्तरदायी कॉर्पोरेट संस्थाओं के साझा प्रयासों से ही संभव है, ताकि एक सशक्त एवं टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण किया जा सके.

इसी सोच के साथ वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड (तखडड) अपने 'प्रोजेक्ट आरोग्य' के माध्यम से वंचित समुदायों तक सुलभ एवं किफायती प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है.

प्रोजेक्ट 'आरोग्य' के तहत मोबाइल हेल्थ यूनिट (एमएचयू), सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर, निवारक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, मातृ एवं स्त्री रोग स्वास्थ्य पहल, रक्तदान अभियान, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों का वितरण तथा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पोषण सहायता जैसी अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ईएसएल स्टील लिमिटेड के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुँच सुनिश्चित करना स्वस्थ और सशक्त समुदायों के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है.

पंचायत में नशा मुक्ति को ले चलाया अभियान

बलियापुर (ससे) : आमझर पंचायत भवन में जिला जनसंपर्क विभाग धनबाद द्वारा नशा मुक्ति अभियान पर कार्यशाला व अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आमझर पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र रवानी ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना की।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बोकारो

लापता बच्ची

पुरस्कार घोषणा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि लापता बच्ची ईशा कुमारी, उम्र– 14 दिन, पे0– संतोष साव, सा0– चेलियाटांड, थाना– गोमिया, जिला– बोकारो का निवासी है, जो दिनांक– 22.03.2025 को संध्या 16:30 बजे से 17:00 बजे के बीच अज्ञात अपराधी के द्वारा बच्ची को बिस्तर पर उठा कर भाग ले गये। इस संबंध में गोमिया थाना काण्ड सं0– 31/25, धारा– 137(2) बी0एन0एस0 दर्ज किया गया है।

लापता बच्ची ईशा कुमारी, उम्र– 14 दिन, पे0– संतोष साव, सा0– चेलियाटांड, थाना– गोमिया, जिला– बोकारो के बारे में अगर किसी को कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृपया निम्नलिखित नम्बर पर सूचित करने का कष्ट करेंगे। उक्त लापता बच्ची के बारे में सुराग/सूचना देने वाले को 25000/–रूपये ईनाम राशि दी जाएगी।

1. विज्ञापन प्रकाशित कराने वाले पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0–9431706418
2. थाना प्रभारी, गोमिया, बोकारो का मोबाईल नम्बर –9123443851

पुलिस अधीक्षक, बोकारो

PR 383702 Police(26-27).D

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह

Email – (giridihmunicipalcorporation@gmail.com)

अति अल्पकालीन बन्दोबस्ती आम सूचना (चतुर्थ)

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वर्ष – 2026–27 (16.07.2026 से 31.03.2027 तक) के लिए गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत टेम्पो/थ्री व्हीलर/इलेक्ट्रॉनिक तीन पहिया टॉल वसूली की बंदोबस्ती हेतु आम सूचना एवं डाक की तिथि निम्नवत् निर्धारित की जाती है –

क्र0	सैरात का नाम	डाक का स्थान	डाक की तिथि एवं समय	प्रस्तावित सुरक्षित जमा राशि	सुरक्षित राशि का 15 प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
01	टेम्पो/थ्री व्हीलर/इलेक्ट्रॉनिक तीन पहिया टॉल वसूली (वार्ड नं0 01 से 36 तक) (वसूली स्थल – रोटरी आई अस्पताल के पास, झण्डा मैदान के पास, संकट मोचन मंदिर के पास, रेलवे स्टेशन के पास, तिरंगा चौक, बस स्टैण्ड के पास)	गिरिडीह नगर निगम	दिनांक 09.07.2026 पूर्वाहन 11:30 बजे (अपरिहार्य कारणवश स्थगित होन पर अगले कार्य दिवस को पूर्व निर्धारित समय पर	22,46,210.00	3,36,932.00

बन्दोबस्ती की शर्तें पूर्वत् रहेगी।

नगर आयुक्त, गिरिडीह नगर निगम।

PR.NO.383633 Urban Development(26-27):D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बोकारो

अपहृत पुरूष

ईनाम घोषणा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कि अपहृत तापेश्वर प्रसाद उम्र– करीब 48 वर्ष पे0 स्व0 रामनाथ राम, सा0– होसिर, लरैयाटांड, थाना– गोमिया, जिला– बोकारो का निवासी है जो जुलाई 2023 से अंगुल उड़ीसा से लापता हैं। इस संबंध में गोमिया थाना काण्ड सं0– 64/25, दिनांक– 25.07.2025, धारा– 363/365 भा0द0वि0 दर्ज है। उक्त अपहृत पुरूश का हुलिया इस प्रकार है। रंग– सांवला, चेहरा–गोल, उँचाई– 5 फीट 2 इंच, पहनावा– फुल पैंट शर्ट पहने हुए है।

अपहृत तापेश्वर प्रसाद के बारे में अगर किसी को कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृपया निम्नलिखित नम्बर पर सूचित करने का कष्ट किया जाए। उक्त अपहृत के बारे में सुराग/सूचना देने वाले को 25000/–रूपये ईनाम राशि दी जाएगी।

1. विज्ञापन प्रकाशित कराने वाले पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0– 9431706418
2. थाना प्रभारी, गोमिया, बोकारो का मोबाईल नम्बर – 9123443851

पुलिस अधीक्षक, बोकारो

PR 383700 (Police)26-27*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बोकारो।

अपहृत पुरूष

ईनाम घोषणा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कि अपहृत रंजीत रजवार, उम्र– 36 वर्ष, पे0– सुधीर रजवार, सा0– अमलाबाद बस्ती, थाना– चन्दनकियारी(अमलाबाद ओ0पी0), जिला– बोकारो का निवासी है जो दिनांक– 04.06.2023 से लापता हैं। इस संबंध में चन्दनकियारी(अमलाबाद ओ0पी0) थाना काण्ड सं0– 178/2023, दिनांक– 24.08.2023, धारा– 370/120बी0 भा0द0वि0 दर्ज है। उक्त अपहृत पुरूश का हुलिया इस प्रकार है। रंग– सांवला, चेहरा–लंबा, उँचाई– 5 फीट 3 इंच, पहनावा– ब्लू रंग का टी शर्ट एवं ब्लुउ रंग का जिंस पहने हुए है।

अपहृत रंजीत रजवार, उम्र– 36 वर्ष, पे0– सुधीर रजवार के बारे में अगर किसी को कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृपया निम्नलिखित नम्बर पर सूचित करने का कष्ट किया जाए। उक्त अपहृत के बारे में सुराग/सूचना देने वाले को 25000/–रूपये ईनाम राशि दी जाएगी।

1. विज्ञापन प्रकाशित कराने वाले पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0– 9431706418
2. थाना प्रभारी, चन्दकियारी (अमलाबाद ओ0पी0), बोकारो का मोबाईल नम्बर – 8409216924

पुलिस अधीक्षक, बोकारो।

PR 383699 Police(26-27)D

झारखंड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, (कृषि प्रभाग) कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, बोकारो

प्रेस विज्ञप्ति

–: आवश्यक सूचना :–

बोकारो जिले के सभी किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि किसान समृद्धि योजनान्तर्गत 90 प्रतिशत अनुदान पर 2HP सतही सौर ऊर्जा पम्पसेट आधारित चलंत सिंचाई ईकाई को व्यक्तिगत किसान/कृषक समूह/ महिला स्वयं सहायता समूह (JSLPS पंजीकृत)/FPO/FPC/LAMPS/PACS के सदस्य को दिया जाना है। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज निम्नवत है:–

1. जमीन का मालगुजारी रसीद।
2. वंशावली का शपथ पत्र।
3. आधार कार्ड की छायाप्रति।
4. बैंक पासबुक की छायाप्रति।
5. राशन कार्ड में नाम होना आवश्यक है।
6. ग्रामसभा में योजना पारित होना आवश्यक है।
7. जलश्रोत होना आवश्यक है।

सुपात्र किसान आवश्यक दस्तावेज के साथ निकटतम प्रज्ञा केन्द्र में ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी तथा आवेदक को CSC हेतु निर्धारित सेवा शुल्क का वहन करना होगा। CSC द्वारा आवेदक की सारी जानकारी पोर्टल पर ऑनलाईन भरी जायेगी तथा वांछित दस्तावेजों को भी अपलोड करना होगा। साथ ही आवेदक अपना आधार तथा राशन आधारित ई0के0वाई0सी0 करायेंगे।

अधिक जानकारी हेतु प्रखंडस्तर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी/प्रखंड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं जिलास्तर पर जिला कृषि कार्यालय एवं आत्मा कार्यालय, बोकारो में संपर्क कर सकते हैं।

जिला कृषि पदाधिकारी, बोकारो

PR 383724 (Agriculture) 26-27 (D)

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय,गिरिडीह (जिला समाज कल्याण शाखा)

सूचना

निम्नलिखित ऑगनवाड़ी केन्द्रों के सभी ग्रामीणों को सूचित किया जाता है कि आपके ऑगनवाड़ी केन्द्रों के रिक्ति पदों चयन हेतु निम्नलिखित तिथि निर्धारित है –

क्रमांक	परियोजना का नाम	पंचायत का नाम	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	रिक्त पद का नाम	आम सभा चयन हेतु निर्धारित तिथी	आन सभा हेतु निर्धारित समय	चयन स्थल
1	गिरिडीह सदर	लेदा	लेदा 2	सहायिका	07-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
2	गिरिडीह सदर	पिण्डाटांड़	मधैयाटोला	सेविका	07-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
3	गिरिडीह सदर	गादी श्रीरामपुर	पुरनीपेटेरिया	सेविका	08-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
4	गिरिडीह सदर	मटरूखा	कोल्हरिया	सहायिका	08-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
5	गिरिडीह सदर	बरमोरिया	गुज्जो	सहायिका	10-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
6	गिरिडीह सदर	तेलोडीह	तेलोडीह	सहायिका	10-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
7	गिरिडीह सदर	बरमोरिया	गप्पई 1	सेविका	13-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
8	गिरिडीह सदर	सिकदारडीह	सिकदारडीह	सहायिका	13-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
9	गिरिडीह सदर	वार्ड 33, 34	पहाडीडीह 1	सेविका एवं सहायिका	14-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
10	गिरिडीह सदर	महेशलुण्डी	महेशलुण्डी	सेविका	14-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
11	गिरिडीह सदर	डांड़ीडीह	डांडीडीह	सेविका	20-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
12	गिरिडीह सदर	उदनाबाद	जामबाद	सहायिका	20-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
13	गिरिडीह सदर	सिहोडीह	सिहोडीह 2	सेविका	21-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
14	गिरिडीह सदर	चैताडीह	पेसराबहियार	सेविका	21-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
15	गिरिडीह सदर	सेनादोनी	सेनादोनी	सेविका	23-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
16	गिरिडीह सदर	पहाड़पुर	महेशपुर	सहायिका	23-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
17	गिरिडीह सदर	पिण्डाटांड़	सुग्गासार	सेविका	27-07-2026	9:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र
18	गिरिडीह सदर	अलगुन्दा	चेंगरबासा	सेविका एवं सहायिका	27-07-2026	1:00 PM	आंगनबाड़ी केन्द्र
19	गिरिडीह सदर	जीतपुर	पहाड़पर/ डोमासिंघा	सेविका एवं सहायिका	28-07-2026	10:00 AM	डोमासिंघा ग्राम के सार्वजनिक स्थल
20	गिरिडीह सदर	सिरसिया/ वार्ड 13	शीतलपुर 1	सेविका	29-07-2026	10:00 AM	आंगनबाड़ी केन्द्र

PR 383664 Social Welfare,Women and Child Development(26-27).D

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,गिरिडीह

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग
न्यायालय–प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमण्डल।

नोटिस

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जप्त वाहनों के विरूद्ध राज्यसात की सुनवाई की अगली तिथि दिनांक 08.07.2026 को निर्धारित की गई है। नीचे दिये गये प्रतिवादी के अलावे भी उन सभी व्यक्तियों को जिसकी अभिरूची निम्नलिखित वाहन एवं जप्त वन पदार्थ से है एवं जो इस पर अपना दावा करना चाहते है, दिनांक 08.07.2026 के पूर्वाह्न 11.00 बजे निर्धारित तिथि को ससमय न्यायालय प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमण्डल के न्यायालय कक्ष में आप स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर कारण पृच्छा समर्पित करें। अन्यथा वाद में एक तरफा निर्णय ले लिया जाएगा।

क0 सं0	अधिहरण वाद सं0	वादी का नाम	प्रतिवादी का नाम	शिकायत वाद सं0 /थाना काण्ड सं0	घटना की तिथि	जप्त वाहन का प्रकार	निबंधन संख्या	जप्त वन सम्पदा	सुनवाई की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	03/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. सुनील वर्मा, पिता–राधे महतो, ग्राम–रूपीडीह थाना– जमुआ जिला–गिरिडीह। 2. मन्सुर अंसारी, पिता–नुरजान मियां, ग्राम–बाघमारा, थाना–जमुआ, जिला–गिरिडीह। 3.INTER STATE OIL CARRIERS LTD.S/W/D Of I/C MR. PREM CHAND JAIN ADD.- BARMASIA ROAD, GIRIDIH PIN-815301	शिकायत वाद सं0– 244/2024	28.01.2024	1. HMT ट्रेक्टर	1. निबंधन सं0– JH-11C-3032	लकड़ी	08.07.2026
2	04/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	राजीव कुमार साहनी, पिता–रामदेव साहनी, पता–भेलाटांड़, नागनगर, धनबाद सिटी, जिला–धनबाद।	शिकायत वाद सं0– 502/2024	25.02.2024	1. बस	1. निबंधन सं0– JH-10N-1909	माइका	08.07.2026
3	01/2025	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	अज्ञात।	शिकायत वाद सं0– 434/2025	01.03.2025	स्वराज ट्रैक्टर Model-834 एवं नीला रंग का ट्रेलर	Engine No. 33.1003/LA000004, Chassis No. QZTD22705007998	लकड़ी	08.07.2026
4	13/2025	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. गुड्डू राय उर्फ रंजीत राय पिता–कपिलदेव चौधरी, साकिन–घसकोडीह, पो0– सपामरण, थाना–धनवार, गिरिडीह, पिन कोड–825412 2. भानु प्रताप साहु, पिता– राजेन्दर प्रसाद साहु, सकिन–हिरोडीह, पो0– किसगों, थाना–हिरोडीह, जिला–गिरिडीह।	शिकायत वाद सं0– 1937/2025	23.09.2025	हाईवा	1. निबंधन सं0– CG-13AN-1335	काला पत्थर	08.07.2026
5	14/2025	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	मो0 नईम, पिता–मो0 सलीम, ग्राम–दुल्हो, पो0+थाना–धनवार, जिला– गिरिडीह।	शिकायत वाद सं0– 1749/2025	29.08.2025	टैम्पू	निबंधन संख्या JH-11AC-7003	लकड़ी	08.07.2026
6	15/2025	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. राजेश मोदी, पिता–बैजनाथ मोदी, 2. अजय साव, पिता–स्व0 दासों साव सभी ग्राम– तिसरी, पो0+थाना–तिसरी, जिला– गिरिडीह।	शिकायत वाद सं0– 1867/2025	16.09.2025	महिन्द्रा पिकअप कैम्पर	1. निबंधन सं0– JH-02Y-3158	माईका	08.07.2026
7	01/2026	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	आसिन, पिता–एवज, पता–तखतपुर अल्लाह उर्फ नानकार, थान–मैनाठेर, जिला–मुरादाबाद, राज्य– उत्तर प्रदेश।	शिकायत वाद सं0– 323/2026	14.02.2026	टाटा ट्रक	निबंधन संख्या UP-21ET-1945	लकड़ी	08.07.2026

अंकित कुमार सिंह, भा0व0से0
प्राधिकृत पदाधिकारी, –सह– वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमण्डल।

PR 383639 Forest, Environment and Climate Changes(26-27)D

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: चंपत राय और अनिल से नियुक्तियों की मांगी गई जानकारी

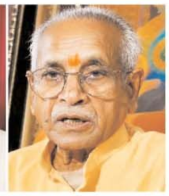

अयोध्या(ईएमएस): अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और गबन के मामले की जांच अब ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और दान प्रबंधन व्यवस्था तक पहुंच गई है। जांच में जुटी अयोध्या पुलिस ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र से गिरफ्तार किए गए कर्मचारियों की नियुक्ति, जिम्मेदारियों और निगरानी व्यवस्था से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है। जांच एजेंसियों का मानना है कि इस जानकारी से पूरे नेटवर्क और जिम्मेदारी तय करने में मदद मिलेगी। वहीं अयोध्या पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि महाकुंभ के दौरान राम मंदिर में सबसे ज्यादा चोरी हुई। इस दौरान जीजा-साले की जोड़ी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा ने सबसे ज्यादा रकम की चोरी की। चोरी के पैसों से सबसे ज्यादा संपत्तियां भी इसी जोड़ी ने खरीदीं।

सूत्रों के मुताबिक, अयोध्या पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि महाकुंभ के दौरान राम मंदिर में सबसे ज्यादा चोरी हुई। अयोध्या पुलिस इस मामले की जांच के लिए ईडी को भी पत्र लिखेगी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए ८ आरोपियों में से कुछ आरोपी कुंभ से पहले भी छोटी-मोटी चोरी करते थे। मगर कुंभ के दौरान मंदिर में चढ़ावे और दान की रकम में भारी बढ़ोतरी हुई, जिसका आरोपियों ने फायदा उठाया और मिलकर बड़ी चोरी को अंजाम दिया। पुलिस का दावा है कि चोरी की पूरी साजिश सभी ८ आरोपियों ने मिलकर रची थी। जांच में सामने आया है कि जीजा-साले की जोड़ी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा ने सबसे ज्यादा रकम की चोरी की। वहीं राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर छापेमारी की है। दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। इससे पहले जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र से पुलिस ने एक संदूक बरामद किया है। उस पर लाल रंग से रामराज्य कोष लिखा था। पेटीएम का त्तक्र कोड लगा था। २८ जून को हुई पुलिस की छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया।

पुलिस के मुताबिक, चोरी के पैसों से सबसे ज्यादा संपत्तियां भी इसी जोड़ी ने खरीदीं। अब तक की जांच में दोनों से जुड़ी करीब आधा दर्जन से ज्यादा संपत्तियों की जानकारी पुलिस को मिली है। आरोपियों के वित्तीय लेन-देन और संपत्तियों की पूरी पड़ताल के लिए अयोध्या पुलिस आयकर विभाग की भी मदद ले रही है। जांच के दौरान एसबीआई के कुछ कर्मचारियों की भूमिका भी पुलिस के शक के दायरे में आई है।

अयोध्या पुलिस इस मामले की जांच के लिए ईडी को भी पत्र लिखेगी, ताकि मनी ट्रेल और वित्तीय लेन-देन की गहराई से जांच हो सके। वहीं, सबसे ज्यादा कैश अविनाश शुक्ला की निशानदेही पर बरामद हुआ। उधर, चंपत राय और अनिल मिश्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जांच की आंच अब ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और दान प्रबंधन व्यवस्था तक पहुंच गई है।

एसआईटी और पुलिस की पड़ताल में आरोपियों और उनके परिजनों के बैंक खातों में उनकी आय के मुकाबले कई गुना ज्यादा रकम के लेन-देन के सबूत मिले हैं। जांच एजेंसियों ने इसे महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में शामिल करते हुए अब चोरी की रकम के पूरे मनी ट्रेल को खंगालना शुरू कर दिया है। साथ ही आरोपियों की तरफ से अर्जित मकान, प्लॉट, हॉस्टल समेत अन्य संपत्तियों का ब्योरा जुटाकर उनकी कीमत का आकलन कराया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों की विस्तृत जानकारी बैंकों से तलब की है। जांच में सामने आया कि कई खातों में लाखों और करोड़ों रुपए के लेन-देन हुए, जबकि संबंधित लोगों की घोषित आय या वेतन उससे कहीं कम था। जांच एजेंसियों का मानना है कि आय और बैंक ट्रांजेक्शन के बीच यह बड़ा अंतर चोरी की रकम के इस्तेमाल और उसे विभिन्न खातों के माध्यम से खपाने की ओर इशारा करता है।

जांच टीम ने आरोपी टिन्नू यदाव से जुड़े हॉस्टल के दस्तावेज भी अपने कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि हॉस्टल निर्माण और अन्य निवेश के लिए धन कहां से आया। इसी तरह अन्य आरोपियों के मकानों, प्लॉटों और चल-अचल संपत्तियों का भी सत्यापन किया जा रहा है। जांच एजेंसियों का फोकस अब चोरी की रकम से बनाई गई संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त करने की कार्रवाई पर है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस इस संबंध में कानूनी पहलुओं का परीक्षण कर रही है। एसआईटी ने आरोपी अनुकल्प द्वारा कराई गई एक धार्मिक कथा को भी जांच के दायरे में शामिल किया है। बताया जा रहा है कि इस आयोजन पर पांच लाख रुपए से अधिक खर्च किए गए, जबकि अनुकल्प का मासिक वेतन महज १८ से २० हजार रुपए था।जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस खर्च का वास्तविक स्रोत क्या था।

उधर, पुलिस पहले ही ट्रस्ट से जुड़े अनिल और गोपाल को नोटिस जारी कर चुकी है। हालांकि, अब तक दोनों से औपचारिक पूछताछ नहीं हो सकी है। जांच एजेंसियों का कहना है कि बैंक रिकॉर्ड, संपत्तियों के दस्तावेज और आरोपियों के बयानों का मिलान कर पूरे वित्तीय नेटवर्क की परतें खोली जा रही हैं। चढ़ावा की गणना करने वालों की संपत्ति की जांच शुरू की गई है।

दबंगों ने बुलडोजर से ढहाई पड़ोसी की दुकान दहशत में परिवार

झांसी (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के झांसी में देर रात दबंगों ने गुंडई की हदें पार कर एक दुकान को बुलडोजर से ध्वस्त किया। करीब ६० से ७० लोगों की भीड़ ने जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास में वारदात को अंजाम दिया। यह घटना झांसी के सीपरी बाजार मिशन कम्पाउंड में हुई, जहां जेम्स थॉमस अपनी लकी प्रोविजन स्टोर नामक दुकान से पिछले कई सालों से परिवार का भरण-पोषण करते थे।

जेम्स के अनुसार, पड़ोसी मणि सरौठिया और उसका परिवार उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहता है, जबकि यह मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि देर रात जब जेम्स घर में सो रहे थे, तभी सरौठिया अपने ६०-७० साथियों के साथ वहां पहुंचा। उन्होंने सबसे पहले जेम्स को घर के अंदर कैद करने के लिए दरवाजों पर ताले लगा दिए और सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए। इसके बाद, बुलडोजर की मदद से घर के बाहर बनी दुकान को तोड़ दिया। आहट सुनकर जेम्स किसी तरह दीवार कूदकर बाहर आए और उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन दबंग नहीं माने और उन्हें जान से मारने की धमकियां दीं। डायल ११२ पर पुलिस को सूचित किया गया, लेकिन जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक दबंगों ने दुकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया था। इस घटना में दुकान में रखा करीब ६ से ७ लाख रुपये का सामान नष्ट हो गया।

पीड़ित जेम्स थॉमस की शिकायत पर पुलिस ने पड़ोसी प्रदीप सरौठिया, उसके बेटों मणि व ज्ञानू सरौठिया और दर्जनों अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। पीड़ित परिवार फिलहाल दहशत में है, यह देखकर उनकी सुरक्षा के लिए घर के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

सरकारी अस्पतालों में कैमरे लगवाएंगे मंत्री निशांत कुमार, डॉक्टरों की होगी निगरानी

पटना (एजेंसी): बिहार के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बुधवार को बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की घोषणा की है। पटना स्थित कंट्रोल रुम से कैमरे की मदद से अस्पतालों की गतिविधियों की निगरानी की जाएगी, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाना उनकी पहली प्राथमिकता है।

दरअसल आज पटना स्थित जदयू कार्यालय में जनता दरबार बुलाई गई थी। जनता की समस्या सुनने के बाद स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय से बाहर निकले। इसी दौरान उनकी मुलाकात मीडियाकर्मियों से हुई। इसी दौरान उन्होंने बातचीत में कहा कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर्स, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ के समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की घोषणा की है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कैमरे के जरिए कर्मचारियों की नियमित निगरानी की जाएगी। अगर कोई भी अपने कार्यों में लापरवाही करते पाया गया तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सभी ५०४ प्रकार की निर्धारित दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल करीब ३५० तरह की दवाइयों का ही वितरण हो रहा है, जिसे जल्द पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने यह फैसला मरीजों को ध्यान में देखते हुए लिया है।

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि सरकारी अस्पतालों में एमआरआई, सीटी स्कैन समेत सभी जरूरी मशीनों का नियमित संचालन और रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा। जहां तकनीशियन या ऑपरेटर की कमी होगी, वहां नियुक्ति की जाएगी ताकि मरीजों को जांच के लिए भटकना न पड़े। इसके अलावा बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए उन्होंने नेशनल और स्टेट हाईवे पर १०० एंबुलेंस तैनात करने का फैसला लिया है। साथ ही ११ लेवल-३ ट्रॉमा सेंटर और ५ लेवल-३ अस्पताल विकसित करने की योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अस्पतालों की व्यवस्था को सुदृढ़ करना सरकार की प्राथमिकता है।

सनातन बोर्ड के गठन से मंदिरों के चढ़ावे का होगा सदुपयोग और रुकेगी चोरी : देवकीनंदन ठाकुर

मथुरा (ईएमएस): कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने सनातन बोर्ड के गठन की जोरदार वकालत कर दावा किया कि इससे मंदिरों के चढ़ावे का सदुपयोग होगा और चोरी जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के आरोपों के संदर्भ में यह बात कही, जिससे करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचने की बात उन्होंने खुद स्वीकार की।

कथित चढ़ावा चोरी की जांच जारी होने का उल्लेख कर कथावाचक ठाकुर ने जोर दिया कि धर्म से जुड़े मामलों का प्रबंधन धर्माचार्यों द्वारा ही होना चाहिए, न कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इसका प्रबंधन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईएएस-आईपीएस अधिकारियों को संविधान का ज्ञान होता है, लेकिन रामायण और शास्त्रों का नहीं। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार के उस बयान पर सहमति जताकर कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर से विहिप का कोई सीधा संबंध नहीं रहा, देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि यह इसका प्रमाण है कि मंदिरों के संचालन के लिए एक अलग, धार्मिक व्यवस्था की आवश्यकता है।

देवकीनंदन ठाकुर की मांग है कि सनातन बोर्ड का नेतृत्व चारों शंकराचार्य और एक वैष्णवाचार्य करें। इस बोर्ड के तहत एकत्रित धन का उपयोग गरीबों, माताओं-बहनों की सेवा, गौसेवा, निःशुल्क अस्पताल और आधुनिक गुरुकुल स्थापित करने जैसे कार्यों में होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राम और कृष्ण का धन किसी एक ट्रस्ट का नहीं, बल्कि संपूर्ण सनातन समाज का है, जिसका सदुपयोग समाज कल्याण में होना चाहिए।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सनातन बोर्ड के गठन से भविष्य में राम मंदिर जैसी कथित चोरी की घटनाओं को रोका जा सकेगा और यदि ऐसी कोई घटना होती है, तब धर्माचार्य उसका समाधान करे। कथावाचक ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वे वक्फ बोर्ड को मिले अधिकारों के समान सनातन बोर्ड को भी अधिकार प्रदान करें। उन्होंने सभी मंदिरों को सनातन बोर्ड के अधीन लाने और किसी एक शंकराचार्य को इसका अध्यक्ष बनाकर कार्य को आगे बढ़ाने की अपील की है। उनका मानना है कि यह कदम भारत, मानवता और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

वाराणसी दालमंडी में 5 मस्जिदें तोड़ी

वाराणसी(ईएमएस): वाराणसी के दालमंडी में बुधवार को ५ मस्जिदें तोडने का काम शुरू हुआ। एक मस्जिद की करीब २० फीट ऊंची दो मीनारों को गिरा दिया गया है। करीब २०० मजदूर हथौड़ों से मस्जिदें गिराने में जुटे हैं। प्रशासन ने दालमंडी जाने वाले रास्ते को टीन शेड लगाकर बंद कर दिया है। मौके पर सुरक्षा के लिए करीब १८६० जवान तैनात हैं। इनमें पीएसी की ७ कंपनियां, सीआरपीएफ की एक बटालियन, आरपीएफ की एक बटालियन और स्थानीय पुलिस फोर्स शामिल है। यह कार्रवाई दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत की जा रही है। चौड़ीकरण परियोजना की जद में कुल ६ मस्जिदें आई हैं। इनमें से ५ मस्जिदों के प्रबंधन ने पहले ही ध्वस्तीकरण के लिए सहमति दे दी थी।

200 रूपये के घूस कांड में 40 साल चला मुकदमा रिटायरमेंट के बाद दोषमुक्त हुए 2 पुलिसकर्मी

पटना (एजेंसी :पटना सिविल कोर्ट ने १९८६ में २०० रुपये रिश्वत लेने के मामले में दो पुलिसकर्मियों को दोषमुक्त कर दिया। करीब ४० साल बाद मंगलवार को उनकी रिटायरमेंट के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। रिश्वतखोरी मामले में ४० साल तक दोनों पर मुकदमा चला। निगरानी की विशेष अदालत ने साक्ष्य के अभाव में मंगलवार को दोनों को दोषमुक्त करने का फैसला लिया। यह मामला गर्दनीबाग थाना की है।

आरोपी सेवानिवृत्त जमादार (-डख) बच्चा सिंह जिनकी उम्र ८२ वर्ष है और योगेन्द्र राम जिनकी उम्र ७३ वर्ष बतायी जा रही है, इन दोनों पुलिसकर्मियों को रिश्वतखोरी मामले में चालिस साल बाद दोषमुक्त किया गया है। दरअसल वर्ष १९८६ में शिक्षा विभाग के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी श्याम नारायण राम की शिकायत पर यह मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि ७ मार्च को गर्दनीबाग थाना के तत्कालीन जमादार बच्चा सिंह, योगेंद्र राम और तीन अज्ञात लोगों ने झोपड़ी की मरम्मत कर रहे श्याम नारायण राम के साथ गाली-गलौज की, उन्हें बेंत से पीटा और रिश्वत की मांग की। मामले में श्याम नारायण राम ने पुलिस अधिक्षक से इसकी शिकायत की और कहा कि उनसे पांच सौ रुपये रिश्वत भी मांग की गई है। इसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दोनों को एक प्लान के तहत दो सौ रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया था।

इसी मामले में दोनों आरोपियों को ७ मार्च १९८६ को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, लेकिन ३ अप्रैल को वे जमानत पर रिहा हो गए। इसके बाद गर्दनीबाग थाना में कांड संख्या १७१/१९८६ दर्ज हुआ, जिसकी जांच करीब ३८ वर्षों तक चली। वर्ष २०२४ में पुलिस ने निगरानी की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की और २०२६ में अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद अदालत ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लेते हुए १६ जून को दोनों आरोपियों पर आरोप तय किए। इसके बाद अभियोजन को साक्ष्य और गवाह पेश करने का निर्देश दिया गया, जिसके बाद विशेष लोक अभियोजक कृष्ण मुरारी प्रसाद ने तीन अभियोजन गवाह अदालत में पेश किए। लेकिन मामले में साक्ष्य के अभाव में दोनों को दोषमुक्त किया गया।

महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, लखनऊ के मेदांता में भर्ती

लखनऊ,(ईएमएस): श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और देश के प्रतिष्ठित संत महंत नृत्य गोपाल दास को स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उन्हें संक्रमण संबंधी गंभीर समस्याओं के चलते क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों की टीम की निगरानी में रखा गया है। डॉक्टरों का एक विशेष दल उनकी स्थिति पर बारीकी से नज़र रखे हुए है।

करीब ८६ वर्षीय महंत नृत्य गोपाल दास बीते कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं और लगातार डॉक्टरों की देखरेख में हैं। यह पहली बार नहीं है जब उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले २०२२ में भी उन्हें यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (यूटीआई) और किडनी संबंधी समस्याओं के लिए मेदांता अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया था। वे कोविड-१९ संक्रमण से भी जूझ चुके हैं, जिसके बाद वे कई दिनों तक चिकित्सकों की देखरेख में रहे थे।

देश के प्रमुख संतों में से एक, महंत नृत्य गोपाल दास अयोध्या के सबसे बड़े मंदिर, मणि राम दास की छावनी के पीठाधीश्वर हैं। वे राम जन्मभूमि न्यास के प्रमुख के रूप में दशकों से राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे हैं। उनका जन्म ११ जून १९३८ को मथुरा में हुआ था। उन्हें २००१ में एक बम हमले में मामूली चोटें आई थीं, जिसके बाद २००३ में उन्हें राम जन्मभूमि न्यास का प्रमुख बनाया गया। उनकी सेहत को लेकर उनके अनुयायी और राम मंदिर से जुड़े लोग चिंतित हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

साइबर अपराधियों ने अब दूल्हा-दुल्हन को बना रहे निशाना

बिहारशरीफ (एजेंसी): साइबर अपराधियों ने अब अपने अपराध करने के तरीकों में बदलाव कर लिया है। अब अपराधी डॉरेक्ट फोन कर या मैसेज कर पैसे नहीं मांग रहे, बल्कि अपने तरीकों में बदलाव करते हुए दूल्हा और दुल्हन को टारगेट कर रहे हैं। बिहारशरीफ के अनिल कुमार साइबर थाना में अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। आरोप लगाया कि साइबर अपराधियों ने उनकी बेटी के ससुराल पक्ष में फोन और मैसेज कर उनकी बेटी को बदनाम करने की कोशिश की। उनके मुताबिक, बेटी के बारे में ससुराल पक्ष को लगातार आपत्तिजनक और भ्रामक संदेश अपराधियों ने भेजा। घटना जिले के सोहसराय थाना क्षेत्र के मोगलकुआं गांव की है।

अनिल कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी बड़ी बेटी की शादी औरंगाबाद में तय की है। ४ मई को रिंग सेरेमनी संपन्न हुई। इसके बाद ५ जून से ही अलग-अलग फर्जी अकाउंट के माध्यम से बेटी के ससुराल पक्ष को लगातार आपत्तिजनक और भ्रामक मैसेज किए गए। इतना ही नहीं परिवार के बारे में भी गलत-गलत बातें फैला रहे हैं। उनका कहना है इस घटना के बाद से उनका पूरा परिवार आहत है। सबसे ज्यादा परेशान होने वाली दुल्हन है। उसका कहना है कि इस तरह से उसकी छवि खराब की जा रही है। इसी को लेकर अनिल साइबर थाना जाकर इसकी शिकायत दर्ज करवाई है। साथ ही उन्होंने साइबर थाना पुलिस से आरोपियों की पहचान कर जल्द-से-जल्द कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले वर्ष कतरीसराय की एक युवती ने भी साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। युवती के अनुसार, उसका एक फेसबुक फ्रेंड शादी की जानकारी मिलने के बाद उसके होने वाले पति को उसके बारे में झूठी और भ्रामक बातें बताने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने ४० हजार रुपये की मांग कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद मामला शांत हुआ। इसी तरह इस्लामपुर की एक युवती, जो सोशल मीडिया पर नियमित रूप से वीडियो साझा करती थी, उसकी शादी से जुड़ी तस्वीरों और वीडियो का दुरुपयोग किया गया। एक सोशल मीडिया परिचित ने उसका फर्जी वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड कर दिया और विरोध करने पर धमकियां देने लगा। युवती की शिकायत पर हुई तो जांच में आरोपी उसका दूर का देवर निकला।

साइबर पुलिस और विशेषज्ञों का कहना है कि अपराधी सोशल मीडिया से लोगों की निजी जानकारी जुटाकर उन्हें निशाना बनाते हैं। शादी, सगाई और परिवार से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने से अपराधियों को फर्जी प्रोफाइल बनाकर बदनाम करने, ब्लैकमेल करने या रिश्ते खराब करने का मौका मिल जाता है। लगातार इस तरह के घटना की शिकायत मिलने से पुलिस भी चिंतित है।

पटना में बनेगा देश का पहला इनडोर वनस्पति उद्यान

पटना (एजेंसी):पटना में देश का पहला इनडोर वनस्पति उद्यान बनने जा रहा है। बिहार राज्य पथ विकास निगम ने इसको लेकर कार्ययोजना तैयार कर ली है। प्रशासनिक सहमति भी उद्यान निर्माण को लेकर मिल गई है। जेपी गंगा पथ के बगल में इसका निर्माण होना है, जिससे राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इस उद्यान को सिंगापुर की तर्ज पर बनाया जाएगा। पांच एकड़ में होगा वनस्पति उद्यान निर्माण

पांच एकड़ में इस वनस्पति उद्यान का निर्माण किया जाना है। उद्यान चारों तरफ और ऊपर से पूरी तरह घिरा रहेगा। टेंपर्ड ग्लास या पारदर्शी प्लास्टिक की इसकी छत होती है। उद्यान को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए बनाने के लिए बड़ी संख्या में पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, जिससे हवा शुद्ध बनी रहे। इसके अलावा कई सजावटी पौधे और फूलों के पौधे भी लगाए जाएंगे। एलोवेरा, जेड प्लांट और विभिन्न प्रकार के कैक्टस के पौधे भी लगाए जाएंगे। साथ ही इसमें लोगों के बैठने और टहलने की भी व्यवस्था रहेगी।

इस वनस्पति उद्यान में अंदर प्रवेश करने से पहले पर्यटकों को टिकट खरीदना होगा। बताया जा रहा है कि इसके बगल में पॉली हाउस का भी निर्माण कराया जाएगा। इसे हरित गृह भी कहा जाता है।

5 महीने से वेतन नहीं मिला, रांची सदर अस्पताल के एनएचएम कर्मियों ने किया सिविल सर्जन ऑफिस का घेराव

रांची (एजेंसी): रांची के सदर अस्पताल में एनएचएम के नर्सों और कर्मचारियों ने मंगलवार को कई महीनों से वेतन नहीं मिलने के विरोध में सिविल सर्जन कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने बताया कि पिछले पांच महीने से उन्हें वेतन नहीं मिला है, जिससे आर्थिक संकट गहरा गया है। प्रदर्शन कर रही एक एएनएम ने कहा कि आने-जाने का किराया तक नहीं है और खाने-पीने का खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि सबकुछ पैसे से ही होता है। इसके बावजूद हम लगातार काम कर रहे हैं। हर बार आश्वासन मिलता है कि आज मिलेगा, कल मिलेगा, लेकिन पांच महीने बीत गए और वेतन अब तक नहीं मिला।

कर्मचारियों ने दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि लगातार सिर्फ आश्वासन मिल रहा है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा। एनएचएम कर्मियों का कहना है कि यदि जल्द वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो वे कार्य बहिष्कार करने को मजबूर होंगे। कर्मचारियों ने कहा कि अब उनके पास आंदोलन के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। प्रदर्शन में मौजूद जीएम ने भी कहा कि महीनों से सिर्फ भरोसा दिलाया जा रहा है, लेकिन वेतन भुगतान नहीं हो रहा है। ऐसे में आवश्यकता पड़ी तो कार्यालय में ताला लगाकर कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

अधिकारी ने वेतन भुगतान का पता लगाने का दिया भरोसा

घेराव के दौरान स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों से बातचीत की। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि वे यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि कर्मचारियों का वेतन आखिर किस स्तर पर रुका हुआ है और जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारी के आश्वासन के बाद फिलहाल सभी स्वास्थ्यकर्मी अपने-अपने कार्य पर लौट गए हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यदि जल्द वेतन भुगतान को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे आगे की रणनीति बनाकर बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।

कार्मिक विभाग ने तैयार किया संशोधन का प्रस्ताव, स्वीकृति मिली तो सचिवालय सेवा कर्मियों की प्रोन्नति होगी प्रभावित

रांची (एजेंसी): कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग द्वारा प्रोन्नति संबंधी संकल्प संख्या-३२८६, दिनांक ०४.०४.२०१४ में संशोधन की तैयारी किए जाने की चर्चा सचिवालय के गलियारों में तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, विभाग द्वारा तैयार एक प्रस्ताव में ऐसे संशोधन शामिल किए गए हैं, जिनका सबसे अधिक प्रभाव झारखंड सचिवालय सेवा पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। ज्ञात हो कि संकल्प संख्या-३२८६, दिनांक ०४.०४.२०१४ राज्य के विभिन्न सेवा संवर्गों में प्रोन्नति हेतु वेतनमान आधारित कालावधि में एकरूपता स्थापित करने के उद्देश्य से जारी किया गया था। इसी संकल्प के आधार पर वर्षों से विभिन्न विभागों के सरकारी सेवकों को प्रोन्नति का लाभ मिलता रहा है।

प्रस्तावित संशोधन में एक विशेष वेतनमान वाले पद पर व्यतीत परिवीक्षा अवधि को प्रोन्नति हेतु आवश्यक सेवा अवधि में नहीं गिने जाने का प्रावधान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, संकल्प संख्या-३२८६ के स्थान पर संबंधित सेवा नियमावली में निर्धारित कालावधि को ही मान्य करने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। जानकारों का कहना है कि यदि यह संशोधन लागू होता है, तो झारखंड सचिवालय सेवा के अधिकारियों को लेवल-७ से लेवल-८ के पद पर प्रोन्नति के लिए कम-से-कम ८ वर्ष की सेवा अवधि पूरी करनी पड़ सकती है। दूसरी ओर, वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत संकल्प संख्या-३२८६ का लाभ प्राप्त करने वाले अन्य कई सेवा संवर्गों के अधिकारी इसी अवधि में लेवल-६ से सीधे लेवल-९ तक प्रोन्नत होने की स्थिति में रहेंगे। ऐसे

में सचिवालय सेवा के अधिकारियों के साथ प्रोन्नति के अवसरों में असमानता उत्पन्न होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

सूत्र यह भी बताते हैं कि प्रस्तावित संशोधनों का प्रभाव केवल सचिवालय सेवा तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि अन्य सेवा संवर्गों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इन संभावित प्रभावों का कोई समग्र अध्ययन या समीक्षा कार्मिक विभाग द्वारा की गई है या नहीं। सबसे बड़ा प्रश्न यह भी उठ रहा है कि आखिर ऐसे संशोधन लाने की आवश्यकता क्यों महसूस की गई तथा इसके पीछे प्रशासनिक या नीतिगत औचित्य क्या है। इस संबंध में अब तक विभाग की ओर से कोई सार्वजनिक स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं है। यदि प्रस्ताव वर्तमान स्वरूप में लागू किया जाता है, तो राज्य की प्रोन्नति व्यवस्था में वर्षों से लागू समानता के सिद्धांत पर प्रश्नचिह्न खड़े हो सकते हैं। ऐसे में संबंधित सेवा संवर्गों के अधिकारियों की निगाहें अब कार्मिक विभाग के अगले निर्णय पर टिकी हुई हैं।

सिर्फ एक महीने में रांची पुलिस ने काटे 9.50 करोड़ के रिकॉर्ड चालान, सैंकड़ो ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड

रांची (एजेंसी): रांची में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ जून महीने में पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। पूरे महीने में १,२४,१४४ वाहनों का चालान काटा गया जिससे करीब ९.५० करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह आंकड़ा मई महीने की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। मई में करीब ५० हजार वाहनों का ही चालान हुआ था।

बुधवार को हुए प्रेस वार्ता में ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि सबसे अधिक कार्रवाई नो पार्किंग और हेलमेट नियमों के उल्लंघन पर हुई। नो पार्किंग में ५०,५०० वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया गया, जबकि बिना हेलमेट चलने वाले ५८,७४३ लोगों का चालान काटा गया। इसके अलावा पीछे बैठे यात्री के बिना हेलमेट होने पर ५४७, ओवर स्पीडिंग के २,११८, रेड लाइट जंप करने के ४,६१२, ऑटो ओवरलोडिंग के १,३५९ और ड्रंक एंड ड्राइव के ९९ मामलों में कार्रवाई की गई।

765 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित

ट्रैफिक एसपी ने बताया कि लगातार ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले ७६५ वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी बड़ी संख्या में चालान जारी किए गए। ट्रैफिक एसपी ने कहा कि पुलिस का मकसद केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

हिमांशु हत्याकांड के मुख्य आरोपी विश्वनाथ मंडल पर 2 लाख रुपए का इनाम घोषित

जमशेदपुर (एजेंसी): चर्चित हिमांशु सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी विश्वनाथ मंडल उर्फ बोदरा पर पुलिस ने २ लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। बिष्टुपुर पुलिस लगातार छापेमारी के बाद भी फरार चल रहे आरोपी का सूचना देने वाले का नाम और पता, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

सूचना देने वाले को मिलेगा 2 लाख का इनाम

दरअसल, बिष्टुपुर थाना कांड के मुख्य आरोपी विश्वनाथ मंडल उर्फ बोदरा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसके बावजूद आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। ऐसे में पुलिस ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए इनाम की घोषणा की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि यदि किसी व्यक्ति के पास आरोपी के ठिकाने या गतिविधियों से जुड़ी विश्वसनीय और सटीक सूचना हो, तो वह तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराए। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और आरोपी की गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को दो लाख रुपये का इनाम भी दिया जाएगा।

एहतेशाम वकारिब जमशेदपुर के एसएसपी और मनोज स्वर्गियारी सरायकेला के एसपी बने

रांची (एजेंसी): जमशेदपुर-सरायकेला की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए राज्य सरकार ने तत्काल रिक्त हुए वरीय पुलिस अधीक्षक और अधीक्षक के पद पर नियुक्ति कर दी है। जानकारी के अनुसार सीआईडी में एसपी के पद पर पदस्थापित एहतेशाम वकारिब को जमशेदपुर का वरीय पुलिस

अधीक्षक और जैप-तीन के कमांडेंट मनोज स्वर्गियारी को सरायकेला-खरसावां का एसपी बनाया गया है। मालूम हो मंगलवार की देर रात मुख्यमंत्री के आदेश पर जमशेदपुर के एसएसपी पीयुष पांडेय और सरायकेला की एसपी निधि द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया था। उन्हें पुलिस मुख्यालय में योगदान का आदेश दिया गया था। दोनों पति-पत्नी हैं।

उसके अगले दिन मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर और सरायकेला-खरसांवा के रिक्त एसएसपी और एसपी पद पर नयी नियुक्ति कर दी। मालूम हो कि शनिवार की रात करनी सेना से जुड़े हिमांशु सिंह की चाकू से गोद कर हत्या कर दी थी। अपराधियों के हमले में प्रत्युष सिंह भी घायल हुए थे, जिनका कोलकाता में इलाज चल रहा है। वह अपनी जिंदगी से जूझ रहे हैं। इस हत्या के बाद राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़ा होने लगा था। विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया था।

झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार को दिया 12 सप्ताह में डीपीसी बैठक का आदेश, एमएसीपी प्रमोशन का विकल्प नहीं

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के दो जिला सहकारिता पदाधिकारियों, जगमनी टोप्पो और उमेश कुमार सिन्हा के मामले में एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि एमएसीपी का लाभ किसी भी हाल में रेगुलर प्रमोशन का विकल्प नहीं हो सकता। न्यायाधीश दीपक रौशन की अदालत ने इस बात पर कड़ा रुख अपनाया कि वरिष्ठ अधिकारियों की अनदेखी कर जूनियर को प्रमोशन देना भारतीय संविधान के अनुच्छेद १४ और १६ का सीधा उल्लंघन है। कोर्ट ने अब राज्य सरकार को यह कड़ा निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ताओं के मामलों को विभागीय प्रमोशन समिति डीपीसी के समक्ष रखा जाए और कानून व नियमों के दायरे में रहकर इस पर उचित निर्णय लिया जाए।

क्या है मामला- इस पूरे विवाद की जड़ याचिकाकर्ताओं को लंबे समय से सेवा लाभ न मिलना है। साल २००८ में सहायक निबंधक/जिला सहकारिता पदाधिकारी के रूप में नियुक्त हुए इन अधिकारियों की सेवा २०१० में ही कन्फर्म हो गई थी, लेकिन विडंबना यह रही कि १७ साल बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई नियमित प्रमोशन नहीं दी गई। विभाग में उप निबंधक और संयुक्त निबंधक के कई पद खाली होने के बावजूद सरकार ने केवल एमएसीपी का लाभ मिलने का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ना चाहा, जिसे हाईकोर्ट ने पूरी तरह खारिज कर दिया। अब अदालत ने सरकार को १२ सप्ताह के भीतर डीपीसी की बैठक बुलाकर प्रमोशन के दावे पर अंतिम फैसला लेने की समयसीमा तय की है। यदि याचिकाकर्ता इस पद के योग्य पाए जाते हैं, तो उन्हें उनके जूनियरकी प्रमोशन की तारीख से ही नोशनल प्रमोशन के साथ-साथ सभी संबंधित सेवा लाभ सौंपे जाएंगे।

राज्य के कई जिलों के डीईओ, डीएसई समेत 41 शिक्षा अधिकारियों का तबादला

रांची (एजेंसी): स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने राज्य के कई जिलों के डीईओ, डीएसई का तबादला किया है। शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इनमें ४१ शिक्षा अधिकारियों के नाम हैं।के स्थानांतरण और पदस्थापन का आदेश जारी किया है। २९ जून २०२६ को जारी अधिसूचना के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई), क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी और प्राचार्यों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

किस अधिकारी को मिली क्या नयी जिम्मेदारी

सचिवालय विशेष दायित्व निभा रहे प्रशासी पदाधिकारी प्रदीप ठाकुर को झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) का सचिव बनाया गया।

मनोज कुमार को पूर्वी सिंहभूम के जिला शिक्षा पदाधिकारी पद से हटाकर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी), रांची में प्रशासी पदाधिकारी बनाया गया।

आशीष कुमार पाण्डेय को पूर्वी सिंहभूम से प्राथमिक शिक्षा निदेशालय में उपनिदेशक बनाया गया।

मो. वसीम अहमद को गिरिडीह के डीईओ से रांची का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

निशु कुमारी को रांची से पूर्वी सिंहभूम का डीईओ बनाया गया तथा कोल्हान प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

दीप्ति कुमारी को जेईपीसी से खूंटी का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

प्रेस कुमार को लातेहार से पश्चिमी सिंहभूम का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

संदीप कुमार को पलामू का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया तथा पलामू प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

जगरनाथ लोहरा को बोकारो से गढ़वा का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

अभय कुमार शील को खूंटी से रामगढ़ का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

मुकुल राज को गिरिडीह से कोडरमा का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

संजीत कुमार को रामगढ़ से दुमका का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

कुमारी नीलम को रामगढ़ से हजारीबाग का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का अतिरिक्त प्रभार मिला।

विनय कुमार को रांची से गिरिडीह का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

कंचन कुमारी को कोडरमा से चतरा का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

प्रवीण रंजन को हजारीबाग से बोकारो का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

नयन कुमार को पाकुड़ से साहिबगंज का जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया।

सुरेश महतो को खूंटी का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

जूही रानी को पूर्वी सिंहभूम का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

शालिनी डुंगडुंग को धनबाद का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

सुभाष अनुराग एक्का को पलामू का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

ऋषिकेश कुमार को लातेहार का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

खुशबू को रामगढ़ का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

अमित कुमार को सरायकेला-खरसावां का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

आशीष कुमार हेंब्रम को गिरिडीह का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

लक्ष्मण यादव को दुमका का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

उर्मिला हांसदा को साहिबगंज का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

प्रियाशी भगत को पाकुड़ का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया।

अपरूपा पॉल चौधरी को रांची से डाइट, रातू की प्राचार्य बनाया गया।

टोनी प्रेमराज टोप्पो को पश्चिमी सिंहभूम से डाइट, चाकुलिया (पूर्वी सिंहभूम) का प्राचार्य बनाया गया।

सौरभ प्रकाश को डाइट, दुमका का प्राचार्य बनाया गया।

कैंसर रजा को डाइट, जसीडीह (देवघर) का प्राचार्य बनाया गया।

दिनेश कुमार मिश्रा को डाइट, गोविंदपुर (धनबाद) का प्राचार्य बनाया गया।

भूतनाथ रजवार को झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) में संयुक्त सचिव बनाया गया।

आयुष कुमार को हजारीबाग डाइट का प्राचार्य बनाया गया।

कुमार हर्ष को जैक का संयुक्त सचिव बनाया गया।

कविता खलखो को डाइट गुमला का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

चार्ल्स हेंब्रम को डाइट, पवैया (जामताड़ा) का प्राचार्य बनाया गया।

गुमला में कस्तूरबा स्कूल की 10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

गुमला (एजेंसी): गुमला जिले के भरनो प्रखंड स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की कक्षा १०वीं की एक छात्रा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके अलावा डीएसपी और एसडीओ ने भी घटनास्थल का दौरा कर मामले की जानकारी ली। उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया है। घटना के बाद विद्यालय की छात्राओं में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि मृत छात्रा पढ़ाई में काफी प्रतिभाशाली थी। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा है। विद्यालय की वार्डन दिव्या टोप्पो ने बताया कि प्रतिदिन की तरह बुधवार सुबह छात्रावास की सभी छात्राएं पीटी के लिए मैदान में गई थीं।

परिसीमन के खिलाफ आदिवासी समुदाय की गोलबंदी : अगस्त में रांची में बड़ी रैली; सोशल मीडिया और आईटी सेल का गठन

रांची (एजेंसी): झारखंड में प्रस्तावित परिसीमन के संभावित प्रभावों, विशेषकर अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा को लेकर आज रांची में आदिवासी संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बुद्धिजीवियों की एक रणनीतिक बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित परिसीमन के मुद्दे पर राज्यव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जाएगा तथा आदिवासी समाज को संगठित करते हुए अगस्त २०२६ को रांची में आदिवासी एकता महाजुटान रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में झारखंड के सभी २४ जिलों से लाखों की संख्या में आदिवासी समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

विभिन्न समितियों का गठन किया गया

बैठक में रैली एवं जनआंदोलन को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। आंदोलन के प्रचार-प्रसार एवं मीडिया समन्वय हेतु राज्यस्तरीय ५ प्रवक्ता, सोशल मीडिया एवं डिजिटल संचार के लिए आईटी सेल, तथा आंदोलन के संचालन एवं समन्वय के लिए वार रूम

गठित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही यह भी तय किया गया कि राज्य के सभी २४ जिलों में जिला समन्वयक एवं जिला प्रवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी, ताकि प्रत्येक जिले में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को परिसीमन के संभावित प्रभावों से अवगत कराया जा सके। इसके अतिरिक्त पूरे राज्य में जागरूकता रथ निकाले जाएंगे, जो गांव-गांव एवं पंचायत स्तर तक पहुंचकर आदिवासी समाज को संवैधानिक अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा परिसीमन के संभावित प्रभावों के संबंध में जागरूक करेंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल महामहिम राष्ट्रपति, महामहिम राज्यपाल, केंद्रीय कानून मंत्री, लोकसभा विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से मुलाकात कर झारखंड के आदिवासी समाज की चिंताओं एवं मांगों से उन्हें अवगत कराएंगे। प्रतिनिधिमंडल द्वारा संवैधानिक प्रावधानों, पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों की विशेष स्थिति तथा अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हस्तक्षेप की मांग की जाएगी।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया के दौरान झारखंड के आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व एवं ऐतिहासिक हितों की किसी भी प्रकार की उपेक्षा स्वीकार नहीं की जाएगी। आंदोलन पूरी तरह लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर संचालित किया जाएगा तथा समाज के सभी वर्गों को इसके साथ जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से बंधु तिर्की, रमा खलखो, शशि पन्ना, अजय तिर्की, ग्लैडसन डुंगडुंग, अनिल अमिताभ पन्ना,बिनसाय मुंडा, राजेश लिंडा, सुषमा बिरुली, लक्ष्मी नारायण मुंडा, वाल्टर कांडुलना, शिवा कच्छप, अनिल उरांव, गोविंद टोप्पो सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कटहल के बीज फेंकने की भूल न करें! ये छोटे-से बीज बढ़ा सकते हैं ताकत, इम्यूनिटी और चेहरे का निखार

गर्मी के मौसम में बाजार में कई तरह के फल और सब्जियां मिलती हैं। इन्हीं में से एक है कटहल, जो स्वाद और पोषण दोनों के लिए जाना जाता है। भारतीय घरों में कटहल की सब्जी, अचार और कई तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। लेकिन अक्सर लोग कटहल खाने के बाद उसके बीजों को बेकार समझकर कूड़ेदान में फेंक देते हैं।

अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो अब अपनी यह आदत बदल लीजिए। क्योंकि जिस तरह कटहल सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, उसी तरह इसके बीज भी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

आयुर्वेद से लेकर आधुनिक विज्ञान तक, दोनों ही कटहल के बीजों को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानते हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-क्ष़ आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

कटहल के बीजों में छिपा है पोषण का खजाना

कटहल के बीज देखने में भले ही साधारण लगते हों, लेकिन इनमें कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यही वजह है कि इन्हें सुपरफूड की तरह देखा जाने लगा है। नियमित और संतुलित मात्रा में इनका सेवन शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचा सकता है।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं

आजकल अनियमित खानपान और भागदौड़ भरी जिंदगी की वजह से कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में कटहल के बीज फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है।

फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और मल त्याग को आसान बनाता है। अगर आपको अक्सर पेट से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, तो कटहल के बीजों का सेवन आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

शरीर में खून की कमी को दूर करने में मददगार

कटहल के बीज सिर्फ पाचन ही नहीं सुधारते, बल्कि शरीर में खून की कमी को दूर करने में भी मदद कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, इनमें आयरन अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर शरीर में आयरन की कमी हो, तो थकान, कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में संतुलित मात्रा में कटहल के बीजों का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में कारगर

बार-बार बीमार पड़ने से बचना चाहते हैं, तो कटहल के बीज आपकी मदद कर सकते हैं। इनमें जिंक और कई जरूरी विटामिन पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। पोषक तत्वों की मदद से शरीर बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहता है। यही वजह है कि कटहल के बीजों को इम्यूनिटी बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों में भी शामिल किया जाता है।

त्वचा और बालों के लिए भी हैं फायदेमंद

अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा पर प्राकृतिक निखार बना रहे, तो कटहल के बीज आपके काम आ सकते हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक बनी रह सकती है। इतना ही नहीं, कटहल के बीज बालों को मजबूत बनाने और उनकी चमक बढ़ाने में भी मददगार माने जाते हैं।

मसल्स मजबूत करने और कमजोरी दूर करने में सहायक

जो लोग जिम जाते हैं या अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, उनके लिए कटहल के बीज एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। इनमें प्लांट-बेस्ड प्रोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह शरीर की कमजोरी और थकान को कम करने में भी सहायक हो सकता है। यही कारण है कि फिटनेस पसंद करने वाले लोग भी इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कैसे करें कटहल के बीजों का सेवन?

कटहल के बीजों को कई तरीकों से खाया जा सकता है। आप इन्हें तवे पर 15 से 20 मिनट तक भून सकते हैं। जब ये हल्के भूरे रंग के हो जाएं, तो इनके ऊपर थोड़ा काला नमक और चाट मसाला डालकर स्नैक की तरह खा सकते हैं।

इसके अलावा, आप बीजों को धूप में सुखाकर उनका पाउडर भी बना सकते हैं। इस पाउडर को सलाद, दही या फलों के ऊपर छिड़ककर खाया जा सकता है। अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो अपनी पसंद के फलों के साथ कटहल के बीजों की स्मूदी भी बना सकते हैं। स्वाद के साथ-साथ यह आपकी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है।

आपके पसंदीदा ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं हानिकारक! गलत तरीके से खाने से हो सकता है नुकसान

ड्राईफ्रूट्स को गर्मी या सर्दी सभी भी खा सकते हैं, लेकिन मौसम के हिसाब से आपको इन्हें खाने का तरीका भी बदलना जरूरी है। गलत तरीके से ड्राईफ्रूट्स खाने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है।

आमतौर पर ड्राई फ्रूट्स को सदियों में खाया जाता है क्योंकि इनकी तासीर गरम होती है। ड्राईफ्रूट्स शरीर को अंदर से गरम रखते हैं। लेकिन कई बार गलत तरीके से ड्राई फ्रूट्स खाने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। अगर आप ड्राई फ्रूट्स के शौकीन हैं तो घबराएं नहीं, हम आपको आयुर्वेद के मुताबिक ड्राईफ्रूट्स खाने का सही तरीका बता रहे हैं। जिससे आप जान पाएंगे कि कौन से मौसम में कौन सा ड्राईफ्रूट खाना चाहिए और इसे कैसे खाना चाहिए।

आशा आयुर्वेद से डॉक्टर चंचल शर्मा की मानें तो गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स का सूखा सेवन करना आपके पित्त को खराब कर सकता है, इसलिए कोशिश करें कि सूखे मेवों का सेवन ना करें। जब भी ड्राईफ्रूट्स खाएं तो भिगोकर ही खाएं। भिगोकर खाने से इनका फाइटिक एसिड निकल जाता है, जिससे गर्मी का उत्पादन कम हो जाता है और पोषक तत्व आसानी से अवशोषित हो जाते हैं। रोजाना आप करीब 20-30 ग्राम से ड्राईफ्रूट्स का सेवन न करें। इससे पेट में गर्मी, पाचन की समस्या और मुहांसे हो सकते हैं। ।

सबसे गर्म तासीर वाले ड्राईफ्रूट्स कौन से हैं?

छुआरा- यह खजूर का सूखा रूप है, इसकी तासीर इतनी गर्म होती है कि सर्दियों में सर्दी-खांसी, जोड़ों के दर्द से बचने और फेफड़ों को ताकत देने के लिए इसका दूध में इस्तेमाल किया जाता है। गर्मियों में इसका सीधा सेवन शरीर में अत्यधिक गर्मी बढ़ा सकता है।

अखरोट- अखरोट दिमाग के लिए जितना अच्छा है, तासीर में उतना ही गर्म होता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और भारी तत्व होते हैं, जिन्हें पचाने के लिए शरीर को ज्यादा ऊर्जा लगानी पड़ती है, जिससे शरीर का तापमान बढ़ता है।

बादाम- सूखे या भुने हुए बादाम की तासीर बहुत गर्म होती है। अगर इन्हें बिना भिगोए गर्मी में खाया जाए, तो ये पेट में जलन या मुंहासे पैदा कर सकते हैं।

पिस्ता- खाने में पिस्ता बहुत टेस्टी लगते हैं लेकिन ये तासीर में काफी गर्म होते हैं। यह सर्दियों में शरीर को कफ और ठंड से बचाता है, लेकिन गर्मी में इसका सेवन बहुत सीमित होना चाहिए।

इसका मतलब ये नहीं कि इन ड्राई फ्रूट्स को खाने के लिए आपको सर्दी का इंतजार करना पड़ेगा, बताए गए ड्राई फ्रूट्स को आप गर्मी में भी खा सकते हैं। लेकिन इन्हें खाने का तरीका आपको बदलना पड़ेगा।

गर्मी में ड्राई फ्रूट खाने का सही तरीका

गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स का सूखा खाने की बजाय रात भर भीगो कर सुबह खाएं। इससे ड्राई फ्रूट्स की गर्मी कम हो जाती है लेकिन पोषक तत्व बने रहते हैं। इस तरह ड्राई फ्रूट्स आपके पाचन को मजबूत करते हैं।

भीगे हुए बादाम- बादाम को भिगोकर खाना फायदेमंद होता है। इसके लिए रात भर बादाम को भिगो दें और सुबह छिलका उतार कर खाएं। इसमें विटामिन ई होता है जो गर्मियों की तेज धूप से होने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ते हैं।

किशमिश- किशमिश खाएं, क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है। किशमिश गर्मी के मौसम में होने वाली थकान के कारण खोई हुई ऊर्जा को तुरंत वापस लाती है।

काजू और खजूर- गर्मियों में काजू और खजूर खा सकते हैं लेकिन इन्हें सूखा खाने की बजाए रात भर भिगोकर खाएं। इससे आपके शरीर के अंदर की गर्मी कम होगी।

मखाना- मखाने की तासीर प्राकृतिक रूप से ठंडी होती है। यह गर्मियों में शरीर के बढ़े हुए पित्त को शांत रखता है और पेट की जलन से बचाता है।

बाहर से कुरकुरे, अंदर से नरम, चाय के साथ परफेक्ट स्नैक हैं ये हेल्दी पकौड़े

वैसे तो कई घरों में प्याज के पकौड़े अकसर बनाए जाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी लौकी के पकौड़े चखे हैं? अगर नहीं, तो आज इस मजेदार डिश को ट्राई करने का सही समय है, जो प्याज वाले पकौड़ों को भी टक्कर दे सकती है।

ये पकौड़े न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं और इसलिए यह हेल्थ कॉन्शियस लोगों के बीच पॉपुलर है। ये प्याज वाले पकौड़ों जितने ही स्वादिष्ट होते हैं। केवल इन्हें हल्की व आसानी से पचने वाली लौकी से बनाया जाता है।

लौकी के पकौड़े बनाने के लिए सामग्री

लौकी
बेसन
हरी मिर्च
हरा धनिया
अदरक
लाल मिर्च
धनिया के बीज
पुदीना
नमक
तेल (तलने के लिए)

लौकी के पकौड़े बनाने की विधि

लौकी के पकौड़े बनाने के लिए, सबसे पहले एक ताजी और नरम लौकी चुनें। इसे अच्छी तरह धो लें और छील लें। लौकी को कद्दूकस कर लें और एक बड़े मिक्सिंग बाउल में डालें। इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, ताजा हरा धनिया और कद्दूकस किया हुआ अदरक मिलाएं। स्वाद को बढ़ाने के लिए इसमें लाल मिर्च पाउडर, साबुत धनिया के बीज, पुदीने की पत्तियां और स्वादानुसार नमक मिलाएं। आखिर में, मिश्रण में बेसन मिलाएं और ध्यान रखें कि घोल गाढ़ा रहे, जरूरत पड़ने पर और बेसन मिला लें। अब एक गहरी कड़ाही में तेल गरम करें, गरम तेल में घोल के छोटे-छोटे पकौड़े डालें और सुनहरा भूरा और क्रिस्पी होने तक तलें। इन ताजे बने लौकी के पकौड़ों को हरी चटनी, टोमैटो केचप या दही के साथ परोसें। बाहर से क्रिस्पी और अंदर से नरम, ये पकौड़े सबको पसंद आएंगे। बारिश के मौसम में यह डिश बच्चों और मेहमानों, दोनों की पसंदीदा हो सकती है। अगर आप इस मौसम में कुछ नया और हेल्दी आजमाना चाहते हैं, तो इन क्रिस्पी लौकी के पकौड़ों को एक बार जरूर ट्राई करें। यह पकौड़ा स्वाद और सेहत का कंप्लीट बैलेंस स्नैक है।

ज्वार से बनाएं इंस्टेंट जाली वाला क्रंची डोसा, नारियल की चटनी के साथ लगता है बहुत टेस्टी

ज्वार का डोसा ने केवल खाने में क्रंची और टेस्टी लगता है बल्कि यह ग्लूटेन फ्री होने के साथ साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर है जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है

आपने चावल का डोसा तो खूब खाया है लेकिन क्या आपने ज्वार का डोसा खाया है। यह स्वाद में बेहद कुरकुरा लगता है। नारियल की चटनी के साथ खाने में आपको गजब का टेस्ट मिलेगा। अगर आपको एकदम जाली वाला पतला डोसा पसंद है तो उसे भी बना सकते हैं। चलिए जानते हैं इसकी रेसिपी

ज्वार का डोसा बनाने के लिए सामग्री :

ज्वार का आटा एक कप, उपमा रवा चार बड़े चम्मच, चावल का आटा चार बड़े चम्मच, नमक स्वादानुसार, काली मिर्च आधा छोटा चम्मच, हरी मिर्च 2, जीरा आधा छोटा चम्मच, पानी तीन कप

कैसे बनाएं ज्वार का डोसा?

ज्वार डोसा का बैटर बनाने के लिए, एक बड़े बाउल में ज्वार का आटा, रवा, चावल का आटा, नमक, काली मिर्च, कटी हुई हरी मिर्च, कटे हुए करी पते और जीरा डालें। सबको आपस में अच्छी तरह मिलाएँ। ज्वार में ग्लूटेन नहीं होता, इसलिए रवा और चावल का आटा इसे बनावट और कुरकुरापन देते हैं।

अब इसमें 2 कप पानी डालें और फेंटें ताकि बिना गांठ वाला बैटर बन जाए। पतला और आसानी से फैलने वाला बैटर बनाने के लिए 1 कप और पानी डालें। ढककर बैटर को 10 मिनट के लिए अलग रख दें।

डोसा पकाने के लिए, नॉन-स्टिक पैन को तेज आँच पर बहुत गर्म करें। ज्वार का डोसा बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि पैन नॉन-स्टिक ही होना चाहिए नॉर्मल पैन पर डोसा चिप जाएगा।

जब पैन गर्म हो जाए, तो बैटर को किनारों से शुरू करते हुए गोल-गोल घुमाते हुए डालें। बैटर अपने आप फैल जाएगा और जाली जैसा पैटर्न बन जाएगा। इस डोसे के लिए पैन का बहुत गर्म होना जरूरी है।

डोसे को तेज आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं, फिर आंच धीमी कर दें। किनारों पर थोड़ा सा घी डालें और 5-6 मिनट तक या जाली के छेद और किनारे सुनहरे और कुरकुरे होने तक पकाएं।

डोसे को पैन से निकालें और हरी नारियल की चटनी के साथ गरमा-गरम परोसें।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

आप पेटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रूप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिंग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटेर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

आज के समय में हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है लाइब्रेरी साइंस का कोर्स

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते है।

पीसीएम का मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फरम्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो कारोबार से कमाए 1.2 अरब डॉलर: प्रॉपर्टी बिजनेस को पीछे छोड़ा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सोमवार को जारी एक संघीय रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले

साल अपने क्रिप्टो व्यवसायों से लगभग 1.2 बिलियन डॉलर की भारी कमाई की। जब उन्होंने पद की शपथ ली थी, तब ये कंपनियां सिर्फ छोटे स्टार्टअप थे। अब इनकी कमाई ट्रंप के उस विशाल प्रॉपर्टी पोर्टफोलियो से भी ज्यादा हो गई है जिसे बनाने में उन्हें दशकों लग गए थे। सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप को उनके 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' बिजनेस से 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा मिले। इस कंपनी ने नए क्रिप्टो उत्पाद और 'गवर्नेंस टोकन' बेचे थे। इसके अलावा, एक और क्रिप्टो कंपनी 'सीआईसी डिजिटल एलएलसी' ने 600 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की। इस कंपनी ने ट्रंप के चेहरे वाले यादगार 'मीम' सिक्के बेचे थे, जिन पर उनका चेहरा बना था। हालांकि, बिक्री के बाद इन टोकन और सिक्कों की कीमत में भारी गिरावट आई है। ट्रंप के इस कारोबार को बढ़ाने में दो अरबपति निवेशकों ने बड़ी भूमिका निभाई। साथ ही, इस उद्योग पर होने वाली सरकारी सख्ती को रोकने के ट्रंप के फैसले ने भी इस मुनाफे को रफ्तार दी। ट्रंप का पारंपरिक प्रॉपर्टी बिजनेस भी पिछले साल तेजी से बढ़ा। उन्होंने कई देशों में लाइसेंसिंग सौदे किए, जो उनके कारोबार का अब तक का सबसे बड़ा विदेशी विस्तार है। गौर करने वाली बात यह है कि इनमें से कई देश टैरिफ, सैन्य सहायता और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे थे।

भारतीय-अमेरिकी सांसद खन्ना बोले- 30 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचे दोनों देशों के संबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेहद विनाशकारी नीतियों के कारण भारत-अमेरिका संबंध पिछले 30 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। यह बात भारतीय-अमेरिकी सांसद

रो खन्ना ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, हाल ही में उनकी चीन यात्रा के दौरान वहां भारत के राजदूत ने उनसे कहा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से दोनों देशों के बीच भरोसा खत्म हो गया है। रो खन्ना ने कहा मैं बातों को घुमा-फिराकर कहने वालों में से नहीं हूं। चीजें जैसी हैं मैं उन्हें वैसा ही बताता हूं। अमेरिका-भारत संबंध पिछले 30 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान के साथ युद्ध में शामिल होने की ट्रंप की नीति बेहद विनाशकारी साबित हुई है। इसका भारत में पेट्रोल-गैस दामों पर भी बुरा असर पड़ा है। अगर आपको मेरी बात पर भरोसा नहीं है, तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए। रो खन्ना ने ट्रंप की ईरान और क्यूबा को धमकाने तथा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की नीतियों की भी कड़ी आलोचना की। वह बोले अमेरिका नैतिक नजरिया भूल गया है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, उभरती प्रौद्योगिकियां भारत-अमेरिका सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया है, जो पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से आगे बढ़कर अपने उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना चाहती हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, एआई और सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में सूचीबद्ध करते हुए कहा, भारत ने इन रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया है। इसका नतीजा यह हुआ कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका और मजबूत हो गई। क्वात्रा ने बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर बाधा के दौर में भारत को वैश्विक आर्थिक वृद्धि और स्थिरता का अनिवार्य आधार बताया।

भारतीय समूहों और सांसदों ने नागरिकता पर कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अधिकार समूहों और सांसदों ने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले का स्वागत किया है। इस फैसले में कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मजात नागरिकता को प्रतिबंधित करने वाले कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही यह बरकरार रखा गया है कि अमेरिकी धरती पर पैदा हुए लगभग सभी बच्चे नागरिक हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने 150 साल पुरानी नीति को समाप्त करने के ट्रंप के प्रयास को खारिज कर दिया। उनके कार्यकारी आदेश का उद्देश्य अवैध अप्रवासियों और अस्थायी विदेशी निवासियों से पैदा हुए बच्चों को स्वतः अमेरिकी नागरिक बनने से रोकना था। नागरिक संगठन इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट के कार्यकारी निदेशक चिंतन पटेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला 'इस बात की एक महत्वपूर्ण पुष्टि है कि अमेरिका में किसका स्थान है।'

इस फैसले से किसको होगा फायदा?: पटेल ने कहा, ट्रंप के कार्यकारी आदेश से सबसे अधिक सीधे तौर पर प्रभावित होने वाले लोगों

में भारतीय और दक्षिण एशियाई आप्रवासी परिवार शामिल हैं। ये ऐसे समुदाय हैं, जो वीजा के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची और अनिश्चित आप्रवासन समय-सीमा का सामना कर रहे हैं, जहां अक्सर बच्चे अपने माता-पिता के स्थायी निवास का स्पष्ट मार्ग मिलने से बहुत पहले ही यहां पैदा हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उन परिवारों को देखा और कहा, 'आपके बच्चे अमेरिकी हैं। वे यहीं के हैं।' भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रमुख नेता अजय जैन भुटोरिया ने इस फैसले को 'ऐतिहासिक जीत' बताया। उन्होंने कहा, 'सर्वोच्च न्यायालय के 5-4 के फैसले ने उन आप्रवासी परिवारों के जन्मजात नागरिकता अधिकार की रक्षा की है जिन्होंने यहां अपना जीवन स्थापित किया है। अमेरिका अपनी 250वीं वर्षगांठ की तैयारी कर रहा है, ऐसे में यह निर्णय आप्रवासियों द्वारा मजबूत किए गए राष्ट्र के रूप में हमारे इतिहास का सम्मान करता है।' फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) के अध्यक्ष और नीति एवं रणनीति प्रमुख खंडेराव कांड के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने उन लाखों परिवारों को बेहद जरूरी निश्चितता दी है, जिन्होंने अमेरिका में अपना जीवन स्थापित किया है। उन्होंने कहा, 'भारतीय-अमेरिकी समुदाय, जिसकी संख्या अब लगभग 52 लाख है, में 12 लाख से अधिक उच्च कुशल पेशेवर और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं जो वर्षों से रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए लंबित हैं।' भारतीय-अमेरिकी सांसदों राजा कृष्णमूर्ति, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए ट्रंप के कार्यकारी आदेश को पूरे देश में अप्रवासियों के बच्चों से नागरिकता छीनने का एक स्पष्ट और असंवैधानिक प्रयास करार दिया। कृष्णमूर्ति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक मूलभूत संवैधानिक सिद्धांत की पुष्टि करता है संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा होने वाला प्रत्येक बच्चा अमेरिकी नागरिक है। त्रि-कॉक्स ने एक बयान में कहा कि हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप खुद को कानून से ऊपर मानते हैं।

पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं: 'दमन न रुका तो भारत के साथ जाएंगे'

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस्लामाबाद के नियंत्रण को बड़ा झटका लगा है। महंगाई, आर्थिक संकट, जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति पर रोक व प्रशासनिक विफलता से भड़के हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते हुए मंच से खुलेआम कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। अगर उनके दमन का सिलसिला नहीं रुका, तो वे स्थायी रूप से भारत के साथ जाने पर विचार कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रशासनिक दमन के खिलाफ पीओके के रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग 22 दिन से आंदोलन कर रहे हैं।

पीओके में नागरिक विद्रोह का नेतृत्व कर रहे नागरिक अधिकार आंदोलनकारी सरदार अमन खान ने ईदगाह मैदान में उमड़े जनसैलाब के सामने कहा कि पीओके पाकिस्तान का नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व के लिए पीओके की जरूरत है। नौ जून से प्रदर्शनकारियों का एक समूह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास धरने पर है। अमन खान ने संकेत दिया कि मौजूदा हालात ऐसे बने रहे, तो स्थानीय लोग भारत के साथ घनिष्ठ संबंध तलाश सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीओके की सीमाएं खुल सकती हैं और ऐसा हुआ, तो इस्लामाबाद को पीओके के लोगों से रुकने की भीख मांगनी पड़ेगी।

पीओके में दशकों के राजकीय दमन, महंगाई व प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ 38 सूत्रीय मांगों को लेकर जन विद्रोह शुरू हुआ है। वे पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके की जमीनी हकीकत दुनिया के सामने न आए, इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने 5 जून से क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद कर रखी हैं। आवाज दबाने के लिए नागरिकों पर जुल्म किया जा रहा है।

अमेरिका में भारतीय प्रतिभा का जलवा, जानें किन चार दिग्गजों को मिला ग्रेट इमिग्रेंट्स सम्मान?

ह्यूस्टन, एजेंसी। साइबर सुरक्षा कार्यकारी निकेश अरोड़ा और हार्वर्ड प्रोफेसर महजरीन बनाजी सहित चार भारतीय अमेरिकियों को कार्नेगी कॉर्पोरेशन ऑफ न्यूयॉर्क की प्रतिष्ठित 'ग्रेट इमिग्रेंट्स, ग्रेट अमेरिकन्स' सूची में 2026 के लिए नामित किया गया है। वहीं, इसमें अन्य भारतीय-अमेरिकी सम्मानित व्यक्तियों में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के प्रोफेसर डॉ. संजीव चोपड़ा और वर्टेक्स फार्मास्युटिकल्स की अध्यक्ष और सीईओ रेशमा केवलरामानी शामिल हैं। 2026 बैच में 21 देशों के 25 अमेरिकी नागरिक शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका की प्राकृतिक नागरिकता प्राप्त हुई है। यह घोषणा तब हुई है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। इन सम्मानित व्यक्तियों को कार्नेगी कॉर्पोरेशन के वार्षिक 'चौथे जुलाई के महान आप्रवासी, महान अमेरिकी' अभियान के हिस्से के रूप में मान्यता दी जाएगी, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में आप्रवासियों के योगदान का जश्न मनाता है। पालो अल्टो नेटवर्क्स के अध्यक्ष और सीईओ अरोड़ा का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में सामाजिक मनोविज्ञान में कार्यरत बनाजी का जन्म हैदराबाद में हुआ है। वह अंतर्निहित पूर्वाग्रह पर अपने अग्रणी कार्य के लिए जानी जाती हैं। पिछले साल, भारतीय मूल की नागरिक अधिकार अधिवक्ता मंजूषा पी. कुलकर्णी और येल विश्वविद्यालय की खगोल वैज्ञानिक प्रियंवदा नटराजन सम्मानित होने वालों में से थीं। इससे पहले भारतीय मूल के जिन लोगों को यह पुरस्कार मिल चुका है उनमें नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ आशीष कुमार झा, अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ, नासा के वैज्ञानिक कमलेश लुल्ला, अमेरिका के पूर्व सर्जन जनरल विवेक मूर्ति, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई शामिल हैं।

ईरान पर फिर हमला करेगा इस्राइल? नेतन्याहू बोले- जरूरत पड़ी तो पीछे नहीं हटेंगे

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि यदि देश की सुरक्षा को खतरा महसूस हुआ तो इस्राइल ईरान पर एक और सैन्य हमला करने से पीछे नहीं हटेगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के शुरुआती फ्रेमवर्क को व्यापक शांति समझौते में बदलने की कोशिशें जारी हैं। नेतन्याहू की चेतावनी ने साफ कर दिया है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अपने रुख में कोई नरमी बरतने के पक्ष में नहीं है। तुर्की की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार, इस्राइल के चैनल 14 को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ पहले किए गए सैन्य अभियानों ने इस्राइल को संभावित परमाणु खतरे से बचाया। उन्होंने कहा, 'ईरान से हमने खुद को एटमी बमों से बचाया और अगर जरूरत पड़ी तो

तीसरी बार भी ऐसा करेंगे।' उन्होंने दोहराया कि इस्राइल किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा और आवश्यकता पड़ने पर स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करेगा।

नेतन्याहू के बयान से बढ़ेगी अमेरिका-ईरान की चिंता? नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए बातचीत चल रही है। कतर की मध्यस्थता में हो रही इस वार्ता का उद्देश्य दोनों देशों के बीच दुश्मनी कम करना, प्रतिबंधों में राहत देना, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भरोसेमंद व्यवस्था बनाना और मध्य पूर्व में स्थिरता लाना है। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रस्तावित ड्राफ्ट समझौते में सैन्य कार्रवाई रोकने, होर्मुज जलडमरूमध्य को सामान्य रूप से खोलने, प्रतिबंधों में चरणबद्ध राहत और ईरान के परमाणु कार्यक्रम की निगरानी के लिए एक तंत्र विकसित करने जैसे प्रावधान शामिल हैं। ईरान ने एक बार फिर कहा है कि उसका उद्देश्य परमाणु हथियार विकसित करना नहीं है, हालांकि इस मुद्दे पर तकनीकी स्तर की बातचीत अभी जारी है। इंटरव्यू में इस्राइल ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई समझौता उसकी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नहीं करता और ईरान की सैन्य या परमाणु क्षमताएं बरकरार रहती हैं, तो वह खुद को उस समझौते से बंधा हुआ नहीं मानेगा। इससे संकेत मिलता है कि इस्राइल भविष्य में भी एकतरफा सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखना चाहता है।

ट्रंप ने किस चीज की दी सलाह?: वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से क्षेत्र में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है। एक्सियोस से बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्होंने नेतन्याहू से कहा, 'बिबी, तुम्हें सावधान रहना होगा, वरना बहुत जल्द तुम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकेले पड़ सकते हो।'

भारत के एक कदम से घुटनों पर आया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत द्वारा सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद से पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है और अब वह दुनिया के सामने सिंधु जल समझौता लागू कराने की गुहार लगा रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान ने एक कथित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। इस सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान ने गीदड़भभकी दिखाते हुए कहा कि अगर सिंधु जल समझौता विफल हो जाता है तो कागजों पर बनी कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह जल समझौता स्थगित कर दिया था।

सिंधु जल समझौता स्थगित रहा तो पाकिस्तान की बढ़ेगी परेशानी: पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था और बिजली उत्पादन सिंधु नदी के जल पर काफी हद तक निर्भर है। सिंधु जल समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान को नदियों के जल की मात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। इससे पाकिस्तान को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा सिर्फ जल बंटवारे की व्यवस्था नहीं है बल्कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सहयोग का महत्वपूर्ण साधन भी है।

पाकिस्तान ने आयोजित किया वैश्विक सम्मेलन

पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के मुखिया और सांसद बिलावल भुट्टो जरदारी ने

कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल समझौता पाकिस्तान पर कोई एहसान नहीं था। पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर बार-बार सिंधु जल समझौते का मुद्दा उठा रहा है। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को हुए इस वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। इस पहल के जरिए पाकिस्तान सिंधु जल समझौते पर अपने पक्ष को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी नेताओं ने दिखाई गीदड़भभकी: पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि यह अपनी तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार है। इस सम्मेलन में पाकिस्तानी सीनेटर मुसादिक मलिक ने कहा कि सिंधु जल समझौते के तहत दोनों परमाणु शक्तियों के बीच तीन युद्ध हुए हैं। अगर यह संधि कायम नहीं रहती है तो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद की कागजों पर कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। मलिक ने सवाल उठाया कि अगर कोई शक्तिशाली देश एकतरफा तरीके से अंतरराष्ट्रीय संधियों का निलंबन करता है तो इससे अंतरराष्ट्रीय संधियों की विश्ववसनीयता कितनी रह जाएगी?

इशाक डार ने कहा कि साझा जलक्षेत्र को कभी भी हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसे देशों के बीच एक सेतु बने रहना चाहिए। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि अगर इस संधि के तहत पाकिस्तान को उसके अधिकारों से वंचित रखा गया तो इससे दक्षिण एशिया में दो अरब लोगों को साझा हित प्रभावित होंगे। सिंधु जल समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी के जल बंटवारे को लेकर हुआ समझौता है। इस पर 19 सितंबर 1960 में कराची में हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते में विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी। सिंधु नदी समझौता दुनिया के सबसे बड़े सीमा पार नदी बेसिनों में से एक है। इस समझौते पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे।

● राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी

ट्रंप की नई सियासी चाल: चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल

कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप को उम्मीद है कि यह कन्वेंशन पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में नया उत्साह पैदा करेगा। वह पिछले वर्ष से ही इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन इस आयोजन के जरिए '2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से किए गए बेहतरीन कामों' को जनता के सामने रखेंगे। डलास में सम्मेलन आयोजित करने से टेक्सास की महत्वपूर्ण सीनेट सीट पर भी राष्ट्रीय ध्यान जाएगा। यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलारिको का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन से होगा। केन पैक्सटन वर्तमान में टेक्सास के अटॉर्नी जनरल हैं।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई: अस्पतालों पर भारी दबाव

काराकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता

है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित?: जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं।

किन चीजों का खतरा बढ़ा?

लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं। सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। ड्ब् ।ह् ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए; ओपनर बल्लेबाज ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अर्थव शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

● ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ड्डष्टष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन - 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा - 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान - 848 रेटिंग
फिल साल्ट - 792 रेटिंग
पाथुम निसांका - 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत - भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल - अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा- मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला - 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी - अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल - आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' - मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास - वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑसट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए ख्थ्र्ष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'ख्थ्र्ष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। ष्ट्र ने पिछले ष्ट्ररुसीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए - अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)

रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)

लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल - एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे - एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।